CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-15
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

थोड़ा डुबूंगा मगर मैं फिर तैर आऊंगा ऐ ज़िंदगी तू देख मैं फिर जीत जाऊंगा।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार, 19 अप्रैल 2024

ईवीएम-वीवीपैट वेरिफिकेशन पर 5 घंटे चली सुनवाई, फैसला सुरक्षित, सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणी

यह चुनावी प्रक्रिया है, इसमें पवित्रता होनी चाहिए

कोर्ट ने कहा- जो अपेक्षित है वो नहीं हो रहा, किसी को यह आशंका नहीं होनी चाहिए

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव हों या विधानसभा चुनाव इससे पहले अक्सर ईवीएम से छेड़छाड़ का मामला लगातार उठता रहा है। इसी बीच इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के वोटों और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) पर्चियों की 100 फीसदी क्रॉस-चेकिंग की मांग को लेकर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने एडीआर समेत अन्य वकीलों और चुनाव आयोग की 5 घंटे दलीलें सुनी। याचिकाकर्ताओं की तरफ से एडवोकेट प्रशांत भूषण, गोपाल शंकरनारायण और संजय हेगड़े ने पैरवी की। प्रशांत भूषण एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की तरफ से पेश हुए। वहीं, चुनाव आयोग की ओर से एडवोकेट मनिंदर सिंह और केंद्र सरकार की ओर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता मौजूद थे। सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम में गड़बड़ी पर कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की विश्वसनीयता का सवाल एक बार फिर उठ खड़ा हुआ है। केरल में ईवीएम से छेड़छाड़ और दूसरी पार्टियों के वोट बीजेपी को ट्रांसफर करने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस भेजा है। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्शन कमीशन को ईवीएम संबंधी शिकायतों पर ध्यान देने का आदेश दिया है। केरल के कासरगोड में मॉक ड्रिल कराई गई। कोर्ट में याचिका दायर

कर आरोप लगाया गया कि वहां हर वोट बीजेपी को जा रहा है। इस मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस संजीव खन्ना ने मौखिक आदेश में चुनाव आयोग से कहा कि वह इस मामले में जो रिपोर्ट आई है उसकी जांच करें। कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा है।

बीजेपी को मॉकड्रिल में मिले ज्यादा वोट?

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एडीआर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने एक मीडिया रिपोर्ट का जिक्र किया। इस रिपोर्ट के मुताबिक, कासरगोड में मॉक ड्रिल के दौरान भारतीय जनता पार्टी को चार ईवीएम और वीवीपैट में एक अतिरिक्त वोट मिला। पीठ ने इसे गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग के वकील मनिंदर सिंह को पूरे मामले को चेक करने का निर्देश दिया। कोर्ट में कई अर्जियां दाखिल की गई हैं। इसमें मांग की गई है कि ईवीएम से डाले गए सभी वोटों का मिलान वीवीपैट की पर्चियों से किया जाए। हालांकि गुरुवार को चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के सामने ऐसी रिपोर्ट्स को निराधार और पूरी तरह से गलत बताया। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि जिन न्यूज रिपोर्ट में ऐसा दावा किया जा रहा है कि केरल के कासरगोड में मॉक पोल के दौरान चार वोटिंग मशीनों में एक एक्स्ट्रा वोट बीजेपी को गया, वे गलत हैं। सीनियर इलेक्शन कमीशनर नीतेश कुमार व्यास ने जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच को बताया कि ये रिपोर्टस फर्जी हैं। हमने जिला कलेक्टर से आरोपों की पुष्टि की है और ऐसा प्रतीत होता है कि वे झूठे हैं। हम कोर्ट को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे।

ईवीएम से बहुत फर्जीवाड़ा

वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने मांग की थी कि सभी वीवीपैट पर्चियों की गिनती की जाए। इस पर कोर्ट ने कहा था कि भारत जैसे बड़े देश में ऐसा कैसे संभव हो सकता है। प्रशांत भूषण ने जर्मनी जैसे देश का उदाहरण दिया और कहा कि वहां पर तो बैलेट पेपर के जरिये चुनाव हो रहे हैं। इस पर जज ने कहा कि वहां की आबादी केवल 6 करोड़ ही है। उन्होंने आगे कहा कि मैं पश्चिम बंगाल से ही आता हूं और यहां पर ही आबादी केवल 6 करोड़ लोगों की है। जस्टिस ने कहा कि हमने उस जमाने को भी देखा है जब बैलेट पेपर से चुनाव हुआ करते थे। पीठ ने यह भी साफ कर दिया कि अगर लोगों के द्वारा किसी भी तरह का कोई हस्तक्षेप ना किया जाए तो मशीन ठीक तरीके से काम करती है।

वोट करने की स्लिप मिले तो कैसा रहेगा?

ईवीएम से वोटिंग पर सवाल उठाने और हर मतदाता को उसके दिए वोट की जानकारी मिलने को लेकर दाय अर्जी पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में लंबी बहस हुई। इस मामले में याची वकीलों ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता को यह हक है कि वह जाने कि उसका दिया मत सही जगह पर पहुंचा है या नहीं। इस मामले में पक्ष रखते हुए वकील निजाम पाशा ने कहा कि वोटर को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वह वोटिंग के बाद वीवीपैट स्लिप लेकर देखे और फिर उसे बैलेट बॉक्स में डाल दे। इस पर जस्टिस संजीव खन्ना ने सवाल उठाया कि इससे निजता का हनन नहीं होगा? इस पर पाशा ने कहा कि वोटर के अधिकार को निजता का हवाला देते हुए खत्म नहीं किया जा सकता।

102 सीटों पर वोटिंग जारी, सपा ने लगाया ईवीएम खराब होने और बूथ कैप्चरिंग का आरोप

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पहले चरण का मतदान शुक्रवार को रहा है। सुबह 7 बजे से जारी मतदान में 16 करोड़ लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 102 सीटों पर प्रत्याशियों की किस्मत दांव पर लगी है। जिन प्रमुख राज्यों में मतदान हो रहा है, उनमें बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल भी शामिल हैं।पहले चरण के मतदान में कई दिग्गजों की किस्मत दांव पर लगी हुई है। पहले चरण में तमिलनाडु की सभी 39 सीटों पर मतदान हो जाएगा। यहां बीजेपी के स्टार नेता व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई, डीएमके की कनिमोझी, डीएमके के दयानिधि मारन का भविष्य तय होगा। हिंदी पट्टी में मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ, जितिन प्रसाद, किरिन रिजिजू जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने पहले चरण के लिए अपना वोट डाला।

योग गुरु बाबा रामदेव ने किया मतदान

योग गुरु बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने उत्तराखंड के हरिद्वार में मतदान किया।

दुनिया की सबसे छोटी महिला ज्योति ने नागपुर में किया मतदान

दुनिया की सबसे छोटी महिला ज्योति आम्गे ने नागपुर में मतदान किया। 30 साल की ज्योति की लंबाई 2 फीट 0.3 इंच है। वह दुनिया की सबसे छोटी महिला बन गई। उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। समाजवादी पार्टी ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश के रामपुर और मुजफ्फरनगर जिलों में ईवीएम मशीनें खराब हैं। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह दावा किया है। वहीं सपा प्रत्याशी हरेंद्र मलिक ने कुटबी गांव में बूथ कैप्चरिंग की शिकायत चुनाव आयोग से की और आरोप लगाया कि मतदाताओं को पीटा जा रहा है। उन्होंने अर्धसैनिक बल तैनात करने की मांग की। कुटबा-कुटबी केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी संजीव मलिक का पैतृक गांव है।

जब पूरा देश राममय है, तब सपा के लोग रामभक्ति करने वालों को पाखंडी कहते हैं, अमरोहा में बोले पीएम मोदी

अमरोहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार गजरौला में अमरोहा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर के समर्थन में जनसभा की। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने राम गोपाल यादव के बयान को लेकर समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला। पीएम ने कहा, अयोध्या में राम मंदिर बना, तो सपा-कांग्रेस दोनों पार्टियों में प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ठुकरा दिया ये लोग आए दिन राम मंदिर और सनातन आस्था को गालियां दे रहे हैं। अभी रामनवमी पर प्रभु रामलला का भव्य सूर्य तिलक हुआ है। आज जब पूरा देश राममय है, तब समाजवादी पार्टी के लोग रामभक्ति करने वालों को सार्वजनिक रूप से पाखंडी कहते हैं। अयोध्या में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद पहली बार रामनवमी के मौके पर रामलला का सूर्य की किरणों ने तिलक किया गया है। पीएम मोदी ने श्रीराम नवमी पर रामलला के

सूर्य तिलक के ऑनलाइन दर्शन किए। उधर, सपा के वरिष्ठ नेता प्रो. राम गोपाल यादव ने कहा था, मैं भगवान का नाम लेता हूं, दिखावा नहीं करता। पाखंडी लोग ये सब करते हैं। यूपी में दो शहजादों की जोड़ी की फिल्म की शूटिंग चल रही= पीएम पीएम मोदी ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव के एक साथ आने को लेकर तंज कसते हुए कहा, यूपी में एक बार फिर दो शहजादों की जोड़ी की फिल्म की शूटिंग चल रही है जिसका पहले ही रिजेक्शन हो चुका है। हर बार ये लोग परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की टोकरी उठाकर यूपी की जनता से वोट मांगने निकल पड़ते हैं। अपने इस अभियान में ये लोग हमारी आस्था पर हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। यहां से जो कांग्रेस के प्रत्याशी हैं, उन्हें तो भारत माता की जय बोलने में भी परेशानी होती है।

वकील बनकर महिला पटवारी को ब्लैकमेल करने का प्रयास, दो आरोपित गिरफ्तार

झाबुआ। ग्राम खरडूबड़ी की पटवारी रेखा बिलवाल को वकील बनकर पिछले कई दिनों से परेशान किया जा रहा था। युवकों द्वारा किसी व्यक्ति के साथ अभद्र व्यवहार करने पर कार्रवाई करने की धमकी दी जा रही थी। इतना ही नहीं गुरुवार को तो दोनों युवकों ने पटवारी को दो लाख रुपये लेकर राजगढ़ बस से बुलवाया। इस संबंध में पटवारी ने अपने स्वजनों को मामले के बारे में बताया।स्वजनों ने युवकों को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनाई। महिला पटवारी को बस से राजगढ़ भेजा और जैसे ही युवक महिला के समीप पहुंचे स्वजनों ने दोनों युवकों को धरदबोचा। एक युवक ने भागने का प्रयास किया लेकिन वह ज्यादा दूर नहीं जा सका। दोनों युवकों को पकड़कर झाबुआ पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की रिपोर्ट महिला पटवारी ने झाबुआ थाने पर दर्ज करवाई है।

बदरीनाथ-गंगोत्री, केदानाथ चारधाम रजिस्ट्रेशन तीन दिन में सात लाख पार

देहरादून। चार धाम यात्रा को लेकर श्रद्धालु प्रतिदिन रिकॉर्ड संख्या में पंजीकरण करा रहे हैं। तीसरे दिन 2.89 लाख श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया। तीन दिन में कुल पंजीकरण संख्या 7,71,579 तक पहुंच गई है। आपको बता दें कि बदरीनाथ, गंगोत्री-यमुनोत्री समेत चारों धामों के लिए श्रद्धालुओं ने 15 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन कराना शुरू कर दिया था। सबसे अधिक केदारनाथ धाम के लिए 2.54 लाख श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराए हैं। श्रद्धालु वेब पोर्टल, मोबाइल एप, वाट्सअप नंबर के जरिये पंजीकरण करा रहे हैं। बुधवार को यमुनोत्री धाम के लिए 55999 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराए। गंगोत्री धाम में भी पंजीकरण कराने वालों की संख्या 56937 रही। केदारनाथ धाम के लिए पंजीकरण कराने वालों की यही संख्या 91189 रही। बदरीनाथ धाम के लिए भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पंजीकरण करा रहे हैं। बुधवार को 81439 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराए। हेमकुंड साहिब के लिए 3784 पंजीकरण हुए। श्रद्धालुओं ने सबसे अधिक 227540 पंजीकरण वेब पोर्टल के जरिए कराए। मोबाइल एप से पंजीकरण कराने वालों की संख्या 43234 रही। वाट्सअप नंबर से 18574 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराए। यह पहला मौका है जब सिर्फ तीन दिन के भीतर श्रद्धालुओं के पंजीकरण कराने वालों की संख्या 7.71 लाख के पार पहुंच गई है।

ईरान में फंसे जहाज से भारतीय महिला की सुरक्षित वापसी

नई दिल्ली। ईरान द्वारा कब्जे में लिए गए इस्राइली अरबपति के जहाज पर सवार 17 भारतीय चालक दल में शामिल केरल की एन टेसा जोसेफ सुरक्षित भारत लौट आई हैं। गुरुवार को केरल के त्रिशूर की रहने वाली एन टेसा कोचीन हवाई अड्डे पर पहुंची, जहां उनका स्वागत किया गया। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान के जरिए इस बारे में जानकारी दी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उनकी सुरक्षित वापसी पर खुशी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मोदी की गारंटी हमेशा काम करती है। फिर चाहे वो देश हो या विदेश। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि तेहरान में भारतीय मिशन कंटेनर जहाज पर बचे शेष 16 भारतीय चालक दल के सदस्यों के संपर्क में है। जहाज वर्तमान में ईरानी नियंत्रण में है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारत लौटी चालक दल की सदस्य ठीक हैं और वे अपने परिजनों के संपर्क में हैं। अन्य भारतीयों की स्वदेश वापसी के लिए भारतीय मिशन ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है। शीघ्र ही उनकी भी वापसी होगी। इसे भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। ईरान की नौसेना ने 13 अप्रैल को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ओमान की खाड़ी में भारत की ओर आ रहे इस्राइली अरबपति के इस जहाज को अपने कब्जे में ले लिया था। इस जहाज पर 17 भारतीय सवार थे।

ईडी का कोर्ट में दावा- जानबूझ कर जेल में मीठा खा रहे हैं अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं. इस बीच केजरीवाल ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए अपने नियमित डॉक्टर से सलाह लेने की याचिका दायर की थी। इस बीच दिल्ली की कोर्ट में केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई हुई. जिस पर गुरुवार को ईडी ने अपना जवाब कोर्ट में दिया है। ईडी ने दावा किया है कि वह मेडिकल आधार पर जमानत लेने के लिए जानबूझकर मीठा खा रहे हैं, जिससे उनका शुगर लेवल बढ़े और उन्हें जमानत मिल जाए. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यह दावा सीबीआई और ईडी मामलों के विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष किया, ईडी के

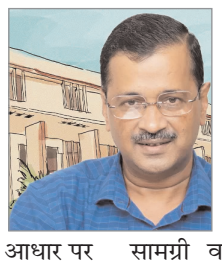

विशेष वकील जोहेब हुसैन ने कहा,डाइट चार्ट अदालत के सामने रखा गया है। डाइट चार्ट में आम और मिठाइयां थीं, हमने इसे अदालत के सामने रखा है। वह विशेष रूप से मीठा भोजन खा रहे थे। जिसकी किसी भी मधुमेह रोगी को अनुमति नहीं है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च चीनी सामग्री वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए किया जा रहा है।जिन्होंने तिहाड़ जेल अधिकारियों को केजरीवाल के आहार चार्ट सहित मामले में एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

कोचिंग सेंटरों के भरोसे पढ़ाई: शिकायतें मिलने के बाद शिक्षा मंत्रालय का कड़ा निर्देश

देशभर में डमी स्कूलों की पहचान कर एक्शन तेज करे सीबीएसई

नई दिल्ली। देश में डमी स्कूलों के कल्चर को खत्म करने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाया है। मंत्रालय ने सीबीएसई को डमी स्कूलों की पहचान कर कार्रवाई तेज करने को कहा है। मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि ऐसी शिकायतें और मामले सामने आ रहे हैं कि पैरेंट्स अपने बच्चों को अच्छे से अच्छे स्कूलों से निकाल कर डमी स्कूलों में दाखिला दिलवा रहे हैं। अच्छे स्कूलों में छात्र के लिए 80 फीसदी हाजिरी का नियम लागू होता है, लेकिन कोचिंग के चक्कर में छात्र स्कूल जाना नहीं चाहता तो पैरेंट्स बच्चे को अच्छे स्कूल से भी निकाल देते हैं। फिर वह छात्र सिर्फ कोचिंग सेंटरों में ही पढ़ाई करता है और डमी स्कूल में उसका एडमिशन चलता रहता है। डमी स्कूल में छात्र जाता ही नहीं

है। **स्कूल जाना ही होगा**- शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि स्टूडेंट्स इंजीनियरिंग-मेडिकल और दूसरी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए केवल कोचिंग सेंटरों के भरोसे नहीं रह सकते, उन्हें स्कूल जाना ही होगा। हाल ही में सीबीएसई ने देशभर के करीब 20 स्कूलों की मान्यता रद्द की है। 3 स्कूलों को डाउनग्रेडेड किया गया है। इन 20 स्कूलों में राजस्थान, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, असम, मध्यप्रदेश, यूपी, केरल, उत्तराखंड और दिल्ली के भी स्कूल शामिल हैं। जांच में कुछ स्कूलों में डमी छात्रों का डेटा पाया गया।

स्कूल की कीमत पर ऐसा नहीं हो सतका- शिक्षाविद एसके गुप्ता का कहना है कि 12वीं के बाद इंजीनियरिंग, मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट या फिर यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए टेस्ट हों, सभी में एनसीईआरटी का सिलेबस आता है। स्कूलों में अच्छे तरीके से सिलेबस पढ़ाया जाता है जबकि कोचिंग सेंटरों में स्कूलों की तरह नहीं पढ़ाया जाता है। उनका कहना है कि बच्चा कोचिंग करना चाहता है तो बेशक करे लेकिन स्कूल की कीमत पर ऐसा नहीं किया जा सकता।

बड़े स्तर पर कार्रवाई की जरूरत- डमी स्कूल, डमी स्टूडेंट्स की समस्या जितनी दिख रही है, असल में इसकी जड़ें और भी गहरी हैं। सीबीएसई ने तो अभी 20 स्कूलों के खिलाफ ही कार्रवाई की है, लेकिन डमी कल्चर को खत्म करने के लिए बड़े स्तर पर कार्रवाई की जरूरत है। शिक्षा मंत्रालय ने भी समस्या की गंभीरता को देखते हुए सीबीएसई को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आने वाले समय में सीबीएसई की ओर से भी ज्यादा औचक निरीक्षण देखने को मिलेंगे। गाइडलाइंस भी हैं कि जो छात्र स्कूलों में पढ़ रहे हैं, उनके स्कूलों के समय के दौरान कोचिंग क्लासेज नहीं हो सकतीं। इससे छात्रों की स्कूलों में नियमित हाजिरी होगी। नियमित हाजिरी की निगरानी से डमी स्कूलों की प्रैक्टिस भी खत्म होगी।

सिंगल कॉलम

इंदौर में पार्षद का आरोप, शराब के लिए रुपये मांगे, बदमाश ने पीटा

वार्ड क्रमांक-65 से भाजपा पार्षद कमलेश कालरा अवैध वसूली के शिकार हो गए। उन्होंने अनूज उप्पल नामक युवक पर अवैध वसूली के लिए मारपीट करने का आरोप लगाया है। घटनाक्रम गुरुवार देर रात खातीवाला टैंक क्षेत्र का बताया गया है।उन्होंने बताया कि रात सवा 12 बजे घर के बाहर टहल रहे थे। अनूज ने धमकाया और कहा कि खूब कमा रहे हो। उसने दो हजार रुपये शराब पीने के लिए मांगे और मारपीट पर उतर आया। मकान मालिक ने मोबाइल पर देखी चोरी, पड़ोसी ने कराई एफआइआर सात्विक विहार में रहने वाले देवेंद्र कुमार के यहां 13 लाख रुपये से ज्यादा की चोरी हो गई। वे परिवार के साथ दिल्ली में हैं। घर के सीसीटीवी फुटेज मोबाइल पर देखते हुए उन्हें पता चला कि कोई सब्बल से ताला तोड़कर घर मे घुसा है। उन्होंने पड़ोसी को खबर दी। पड़ोसी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक फरियादी ने बताया कि उनके देवेंद्र मोटर नाम से शोरूम हैं। मूलत: दिल्ली के रहने वाले हैं। नौ अप्रैल को परिवार सहित दिल्ली गए थे। दिल्ली से वे घर में लगे कैमरे के फुटेज मोबाइल पर आनलाइन देख रहे थे। तब उन्हें पता चला कि रात में बदमाश घर में चोरी करने घुसे हैं।

कान्ह नदी पर बनेंगे आठ एसटीपी, ग्रामीण क्षेत्रों के नदी में मिलने वाले आउटफाल भी करेंगे बंद

इंदौर। सिंहस्थ 2028 की तैयारी शुरू हो गई है। कान्ह नदी में सीवरेज को मिलने से रोकने के लिए आठ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाए जाएंगे। नगर निगम ग्रामीण क्षेत्रों में टेपिंग करेगा। नदी में मिलने वाले आउटफाल भी बंद किए जाएंगे।निगमायुक्त शिवम वर्मा ने गुरुवार को नमामि गंगे मिशन चरण एक, अमृत प्रोजेक्ट-2 के तहत शहर के सीवर नेटवर्क एवं सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर समीक्षा बैठक ली। इसमें नगरीय विकास एवं आवास मंत्रालय के कार्यपालक यंत्री रवि चतुर्वेदी, नमामि गंगे प्रोजेक्ट के राज्य स्तरीय विशेषज्ञ, अमृत प्रोजेक्ट के विशेषज्ञ शामिल हुए। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि सिंहस्थ 2028 को देखते हुए कान्ह नदी को शुद्ध बनाए रखने के लिए क्या किया जाए और अब तक इसके लिए क्या-क्या किया जा चुका है। फिलहाल सिर्फ सर्वे होगा, काम 4 जून के बाद निगमायुक्त वर्मा ने बताया कि नगर निगम फिलहाल इंदौर से सांवेर तक कान्ह नदी का सर्वे करेगा। इसके तहत यह पता लगाया जाएगा कि नदी में कहां-कहां सीवेज मिल रहा है और कहां आउटफाल प्वाइंट हैं। नदी में सीवेज मिलने से कैसे रोका जा सकता है, इसका विश्लेषण भी करते हुए एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जाएगी। यह रिपोर्ट नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा (एनएमसीजी) को सौंपी जाएगी। 4 जून को आचार संहिता हटने के बाद इस योजना पर काम शुरू किया जाएगा। बैठक से पहले अधिकारियों ने शहर में कान्ह शुद्धीकरण के लिए बनाए गए एसटीपी का अवलोकन भी किया।

नर्मदा ने किया निहाल, अब सड़क की राह करें आसान

इंदौर। लोकसभा चुनाव करीब आते ही चुनावी चर्चा भी आम होती जा रही है। गली-मोहल्ले, गार्डन, पुलिया और चाय के ठीयों पर समूह में एकत्र युवा पांच वर्षों का आकलन कर रहे हैं। चर्चा में सरकार के कामों की तारीफ तो है, साथ ही कई विकास कार्य नहीं होने को लेकर नाराजगी भी है। इस बार मतदाता भावी सांसद को लेकर खाका तैयार कर रहे हैं, ताकि आगामी वर्षों में विकास से जुड़े वे काम पूरे हो सकें, जिनका वर्षों से इंतजार है।लिंबोदी क्षेत्र में गुरुवार को युवा लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा कर रहे थे। इस दौरान दिनेश शर्मा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में लिंबोदी क्षेत्र में कई काम ऐसे हुए हैं, जिनके लिए वर्षों से मांग की जा रही थी। दो लेन की खंडवा रोड पर वाहन चलाना तक मुश्किल होता था। आए दिन छोटे-बड़ी सड़क दुर्घटनाएं होती थीं, लेकिन इस बार यहां सिक्सलेन सड़क बनकर तैयार हो चुकी है। इससे बार-बार लगने वाले जाम से भी मुक्ति मिल गई है, वहीं सड़क दुर्घटनाओं पर भी अंकुश लगा है, लेकिन लिंबोदी से लेकर बायपास तक बनने वाली सड़क आज तक नहीं बन पाई है जबकि कई बार सर्वे कार्य हो चुका है। यह सड़क सीधे बायपास के पहले एमआर-9 सड़क से मिलना है। इसके बनने के बाद सीधे बायपास जाने के लिए शार्टकट रास्ता मिलेगा। साथ ही नायता मुंडला बस स्टैंड भी पहुंचना आसान हो जाएगा। क्षेत्र के तालाब पर किसी का ध्यान नहीं कन्हैया मीणा ने कहा कि लिंबोदी के कई क्षेत्रों में नर्मदा जल आना शुरू हो गया है, जिससे बोरिंग का उपयोग तो कम हुआ है। लेकिन कई कालोनियां ऐसी हैं, जहां नर्मदा लाइन तो बिछ गई है, लेकिन नर्मदा जल नहीं आया है। इस ओर जनप्रतिनिधियों को सोचना चाहिए। क्षेत्र की समस्या छोटी हो या बड़ी हो, जनप्रतिनिधियों को उसे मुख्य समस्या मानकर हल करना चाहिए। कार्तिक मीणा ने बताया कि क्षेत्र में दो तालाब बने हैं। इनमें बिलावली तालाब पर हर दिन हजारों की संख्या में लोग मार्निंग वाक पर जाते हैं, लेकिन यहां किसी तरह की सुविधा नहीं है। यहां बना व्यू पाइंट टूटने की कगार पर है, लेकिन जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान नहीं देते हैं।

जानापाव में तेंदुए की मौत, तीनों आरोपितों को बचाने के लिए नेताओं का दवाब, आज कोर्ट में करेंगे पेश

सिटी चीफ इन्दौर

इंदौर। लेपर्ड स्टेट प्रदेश में तेंदुए की मौत को लेकर जनप्रतिनिधियों की संवेदनशीलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गुरुवार को इंदौर वनमंडल में आने वाले मानपुर रेंज के जानापाव वनक्षेत्र में तेंदुए की फंदे में फंसकर मौत हो गई। मानपुर रेंज और इंदौर एसटीएसएफ ने जांच कर तीन लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।मगर जनप्रतिनिधि इन्हें बचाने में लगे रहे, जबकि लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगी है। छह से सात घंटे के भीतर महू-मानपुर के अलावा इंदौर से लेकर भोपाल में रहने वाले जनप्रतिनिधियों ने वनकर्मियों पर दवाब बना डाला। वन अधिनियम की धाराएं खेत मालिक पर से हटाने को कहा। मगर तीनों आरोपितों को गुरुवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

अनुबंध किए बिना किराए पर दिया खेत

जानापाव वनक्षेत्र में आने वाले ग्राम कुटीर में रहने वाले ग्रामीणों ने तेंदुए की मौत के बारे में बताया। जांच करने के दौरान खेत की पांच फीट ऊंची फैंसिंग के नीचे क्लच वायर से बने फंदे लगे थे, जिसमें उलझकर तेंदुए की मौत हो गई। आसपास के सक्ष्य को देखने पर मानपुर रेंज और एसटीएसएफ ने पाया कि तेंदुआ फंदे से निकले के लिए काफी संघर्ष करता रहा।

मामले में खेत मालिक रामचंदर पिता नंदकिशोर पाटीदार, खेत किराए पर लेने वाले राहुल पिता राजेंद्र पाटीदार, चौकीदार विकास पिता रमेश भाटिया पर प्रकरण दर्ज किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि खेत मालिक और किराएदार के बीच कोई कानूनी अनुबंध नहीं हुआ है। सिर्फ मौखिक के आधार पर खेत में फसल बोने के लिए दी गई थी।

इसका फायदा उठाते हुए जनप्रतिनिधि खेत मालिक को प्रकरण से हटाने पर अड़े रहे। यहां तक कि पाटीदार समाज के पदाधिकारी भी दवाब बनाते रहे। अधिकारियों ने कहा कि अनुबंध नहीं होने से न्यायालय में खेत किराए पर लेने वाला व्यक्ति पलट सकता है। इसके चलते खेत मालिक और किराएदार को आरोपित बनाया है।

दो दिन पहले लगी थी आग

छानबीन के दौरान मानपुर रेंज और एसटीएसएफ को कुछ और तथ्यों के बारे में जानकारी लगी है। पूछताछ में पता चला कि खेत में पार्टी करने के लिए मानपुर से बाहर से लोग आते है। दो दिन पहले खेत के हिस्से में आग लगने के प्रमाण मिले है। चौकीदार ने आग बुझाने भी कबूल किया है।

सूत्रों के मुताबिक, खेत की फैंसिंग पांच फीट ऊंची थी। महज एक फीट नीचे जगह छूटी थी। वहां फंदा लगा था। पूछताछ में उन्होंने सूअर और खरगोश से फसल बचाने बताया है। जबकि फंदा लगाना भी आपराध की श्रेणी में आता है, जिसमें शिकार से जुड़ी धाराएं लगती है।

टूटे थे नाखून, जांच अधूरी

मानपुर की तरह सिंतबर 2023 में महू रेंज में आने वाले बड़गोंदा वनक्षेत्र में भी घटना सामने आई थी। जहां खेतों में तेंदुए का शव मिला था, जो फंदे में फंसा था। तेंदुए के नाखून टूटे मिले थे। पूरे मामले में छह महीने बीतने के बावजूद जांच पूरी नहीं हुई है। एसडीओ और रेंजर के बीच खींचतान से जांच प्रभावित हुई है। वैसे एसडीओ ने अपने स्तर पर एक रिपोर्ट सीसीएफ नरेंद्र सनोडिया को भेज रखी है।

इंदौर में भैया-भाभी का अश्लील वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर धमकाया, नाबालिग पर एफआइआर

सिटी चीफ इन्दौर

तिलक नगर क्षेत्र में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। 16 वर्षीय किशोर पर ब्लैकमेलिंग,धमकी का आरोप लगा है।नाबालिग के बड़े भाई ने ही एफआइआर दर्ज करवाई है। आरोप है कि नाबालिग ने अपने बड़े भाई और भाभी का अंतरंग पलों का वीडियो बना लिया। अब वह इंस्टाग्राम पर धमका रहा है।तिलकनगर पुलिस के मुताबिक मामला स्कीम-140 क्षेत्र का है। 21 वर्षीय युवक ने 16 वर्षीय भाई के विरुद्ध शिकायत की थी। गुरुवार को फरियादी पत्नी के साथ थाने आया और बताया कि अज्ञात व्यक्ति उसकी पत्नी को आपत्तिजनक वीडियो भेज रहा है। वह वीडियो देखते ही डिलिट भी कर देता है। उसने बताया कि जिस आइडी से वीडियो भेजे जा रहे वह उसके छोटे भाई की है।

पुलिस ने जांच कर आइटी एक्ट की धारा भी लगा दी। आरोपित की तलाश की लेकिन वह फरार हो गया। टीआइ अजय नायर के मुताबिक, वीडियो पत्नी-पत्नी का है। उसने संभवत: मोबाइल से ही वीडियो बनाया है।

भाईयों में विवाद, दोनों रहते अलग-अलग

टीआइ के मुताबिक, दोनों भाईयों में विवाद भी चल रहा है। एक भाई मां तो दूसरा पिता के पास रहता है। छोटे भाई ने इसी विवाद में वीडियो बनाया है। आरोपित किशोर नशा भी करता है। हो सकता है उसने रुपयों की मंशा से वीडियो बनाया हो। गिरफ्तारी के बाद पुलिस इस संबंध में भी पूछताछ करेगी।

इंदौर में शराब कारोबारियों में गैंगवार की आशंका, सीएम हाउस पहुंची रिपोर्ट

सिटी चीफ इन्दौर

शराब तस्करी को लेकर दो शराब ठेकेदार आमने-सामने हैं। बुधवार रात बड़ा विवाद होते-होते बच गया। विजयनगर इलाके में पुलिस तैनात करनी पड़ी। गैंगवार की आशंका से इंटेलिजेंस भी हरकत में आ गया है। इस बारे में मुख्यमंत्री निवास तक रिपोर्ट पहुंची है।विवाद की असल वजह गुजरात भेजे जाने वाली अवैध शराब है। एरोड्रम थाना पुलिस ने बुधवार को ही 20 लाख रुपये की शराब पकड़ी थी। ठेकेदार सूरज रजक गुस्से में ठेकेदार एके सिंह के घर जा पहुंचा। आरोप लगाया कि सिंह उसे तस्करी में फंसाना चाहता है। सूरज भाजपा विधायक रमेश मेंदोला का करीबी है जबकि एके सिंह को विधायक उषा ठाकुर राखी बांधती हैं। कारों का काफिला लेकर पहुंचे सूरज ने एके सिंह को काल कर कहा कि वह घर आया है और इसी मुद्दे पर बात करना है। सिंह उस समय एक अन्य शराब कारोबारी के यहां शादी में थे। सूरज ने सिंह के बेटे को बुलाया और कहा कि इसी समय बात कराओ।इसी बीच पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता को खबर मिली और टीआइ सीबी सिंह व एसीपी कृष्ण लालचंदानी को बल लेकर भेजना पड़ा। रातभर पुलिस को अलर्ट रखा गया। हालांकि गुरुवार दोपहर विधायक ने हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों की बैठक करवाई। तय हुआ कि कोई भी एक दूसरे का नुकसान नहीं करेगा। तीन साल पूर्व भी विजय नगर में शराब ठेकों को लेकर गैंगवार हो चुका है। सिंडीकेट के आफिस में गैंगस्टर सतीश भाऊ ने एक अन्य ठेकेदार पर गोली चलाई थी। उस वक्त भी एके सिंह का नाम गैंगवार से जोड़ा गया था।

धार और झाबुआ के शराब ठेकों से पड़ी दरार

विवाद की शुरुआत डेढ़ महीने पूर्व हुई है। ठेकेदार सूरज ने धार जिले में एंट्री की और जमीन व्यवसायी अनूप कटारिया, नन्नेसिंह, रमेश राय के साथ ठेके ले लिए। इस क्षेत्र में एके सिंह का एकाधिकार था। सिंह ने पिंटू, रिंकू, अल्केश के साथ झाबुआ और आलीराजपुर में ठेके बढ़ा लिए। सूत्रों के अनुसार, अहमदाबाद (गुजरात) शराब सप्लाई को लेकर दोनों गुटों में विवाद शुरू हो गया और एक-दूसरे की गाड़ियां पकड़वाने लग गए। आबकारी अधिकारी भी इस लड़ाई में शामिल हो गए।

खुशखबरी..... अब मरीजों को अंग के लिए नहीं करना होगा लंबा इंतजार

सिटी चीफ इन्दौर

सबसे बड़ा दान वही होता है, जब हम हमारे और हमारे परिवार में मृत व्यक्ति के अंगों से किसी ओर को नया जीवन दे सकें। अंगदान के प्रति अभी हमारे शहर में जागरूकता तो बढ़ी है, लेकिन अंगदान करने वालों की संख्या में बढ़ोतरी आवश्यक है। अभी तक अंगदान के लिए सूची बनाई जाती थी और उसे के आधार पर मरीजों को अंग उपलब्ध होते थे।स्टेट आर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन (सोट्टो) ने गंभीर मरीजों के लिए सुपर अर्जेंट कैटेगरी बना ली है। जिसमें यदि किसी मरीज की हालत गंभीर है और उसे अंग की आवश्यकता है तो सूची में शामिल नाम के पहले उस मरीज तक अंग पहुंचा दिया जाएगा। इससे बड़ी संख्या में अंग नहीं मिलने के कारण पीड़ित मरीजों की जान बचाई जा सकती है। इसमें प्रदेशभर के गंभीर मरीजों की सूची तैयार की जा रही है। इनमें वे मरीज भी शामिल हैं जिनके लिवर और किडनी की गंभीर अवस्था में पहुंच गए हैं। इसके लिए किडनी, लिवर के साथ ही विभिन्न कैटेगरी के पैरामीटर भी तय किए गए हैं। बता दें कि इसके कारण कैटेगरी में शामिल कई मरीजों को अंग पहले पहुंचाकर उन्हें नया जीवन दिया गया है। प्रदेश में 80 प्रतिशत अंगदान अकेले इंदौर में ही होते हैं।यहां दस वर्ष में 12,500 से अधिक नेत्रदान, 760 से अधिक त्वचा दान और 300 से अधिक देह दान हुए हैं। साथ ही पिछले आठ वर्षों में 55 बार ग्रीन कारिडोर बनाए गए है। इससे सैकड़ों लोगों को नई जिंदगी मिली है। दरअसल, ब्रेनडेड मरीजों के अंगों को दान में लेकर उन्हें विभिन्न अस्पतालों तक पहुंचाने के लिए ग्रीन कारिडोर बनाया जाता है। अंगदान के प्रति अभी भी जागरूकता की कमी

बता दें कि अंगदान के प्रति अभी भी लोगों में जागरूकता की कमी है। जिस तेजी से अंगदान होना चाहिए, वैसा नहीं हो रहा है। हमारा समाज शिक्षित हो रहा है, लेकिन अंगदान के लिए अभी भी सभी को शिक्षित होने की आवश्यकता है। इसके महत्व को समझना जरूरी है। हालांकि कई कई संगठन अंगदान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। **इन अंगों का हो सकता है दान**अंगदान के लिए इंदौर में अब पहले से काफी बेहतर सुविधाएं हैं। साथ ही इस महादान के प्रति लोगों में जागरूकता भी बढ़ी है। इसके कारण यहां शरीर के विभिन्न हिस्सों के साथ लोग पूरी देह का दान भी कर रहे हैं। अगर आप चाहें तो जीवित रहते हुए यह सहमति दे सकते हैं कि मृत्यु के बाद मेरे इन अंगों का दान ले लिया जाए। दान किए जा सकने वाले अंगों में कार्निया, हृदय के वाल्व, हड्डी, त्वचा जैसे ऊतकों को प्राकृतिक मृत्यु के बाद दान किया जा सकता है। हृदय, यकृत, गुर्दे, फेफड़े और अग्नाशय जैसे अन्य महत्वपूर्ण अंगों को केवल ब्रेनडेड के मामले में ही दान किया जा सकता है।

इंदौर-हावड़ा स्पेशल ट्रेन में बुकिंग शुरू, सेकंड एसी में आरएसी, थर्ड एसी और स्लीपर श्रेणी में सीटें उपलब्ध

सिटी चीफ इन्दौर

गर्मी की छुट्टी और अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रतलाम मंडल ने इंदौर-हावड़ा के बीच स्पेशल किराए के साथ स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू किया है। ट्रेन 19 अप्रैल को इंदौर से रवाना होगी। गुरुवार से बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। बुकिंग शुरू होते ही सेकंड एसी में आरसी आ गया है, वहीं थर्ड एसी और स्लीपर श्रेणी में सीटें उपलब्ध हैं।इंदौर-हावड़ा स्पेशल (09335) ट्रेन शुक्रवार रात 10.30 बजे इंदौर से रवाना होगी और रविवार सुबह छह बजे हावड़ा पहुंचेगी। वापसी में यह हावड़ा से रविवार शाम 5.40 बजे चलकर मंगलवार रात 12.50 बजे इंदौर पहुंचेगी। ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, शुजालपुर स्टेशनों पर ठहरेगी। ट्रेन में एक सेकंड एसी, तीन थर्ड एसी, 15 स्लीपर व दो सामान्य श्रेणी के कोच होंगे।

इंदौर में 600 वर्ष प्राचीन वीर बगीची में इस बार खास होगा हनुमान जयंती महोत्सव

सिटी चीफ इन्दौर

राम नवमी के बाद अब शहर में हनुमान जयंती की तैयारी शुरू हो गई है। शहर के पश्चिम क्षेत्र के पंचकुइया स्थित 600 पुरानी वीर बगीची में 23 अप्रैल को हनुमान जयंती खास बनाने की तैयारी हो रही है। इस वर्ष तीन दिवसीय हनुमान महोत्सव 21 से 23 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। इसमें जहां भगवान स्वर्ण आभूषणों से शृंगार होगा, वहीं नेत्र हीरे के होंगे। इस मौके पर वीर आलीजा सरकार के दर्शन के लिए देश-विदेश में बसे भक्त भी आएंगे।वीर आलीजा भक्त मंडल के अनुसार महोत्सव बाल ब्रह्मचारी पवनानंद महाराज के सान्निध्य में होगा। इस दौरान अंखड रामायण पाठ, अभिषेक पूजन व महायज्ञ होगा। दीप उत्सव, फल शृंगार (केले), सुंदरकांड, अभिषेक-पूजन, महाआरती, अखंड रामायण पाठ के साथ ही हनुमान जयंती पर स्वर्ण शृंगार एवं फूल बंगला सजेगा। इसके अतिरिक्त 60 भक्तों के लिए अखंड भंडारा होगा।तीन दिनी आयोजन में करीब दो लाख भक्त दर्शन के लिए पहुंचेंगे। 21 अप्रैल को 1100 किलो फल (केले) से शृंगार के साथ ही शाम को 11 हजार दीपों से वीर बगीची को रोशन किया जाएगा। शाम 7.30 बजे महाआरती के साथ ही फल शृंगार दर्शन एवं सुंदरकांड पाठ किया जाएगा। बाल कलाकार भजनों की प्रस्तुति देंगे। महोत्सव के लिए इन दिनों रंग रोगन सहित अन्य तैयारी की जा रही है। भस्म व औषधियों से होगा महाअभिषेक

- 22 अप्रैल को सुबह नौ बजे से वीर अलीजा सरकार का केसर, औषधियों का जल, चंदन, इत्र, दुध, सात पवित्र नदियों का जल, पंचामृत और भस्म से महाअभिषेक 11 विद्वान पंडितों द्वारा किया जाएगा। आश्रम के वेदपाठी बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार किया जाएगा। इसी दिन अखंड रामायण पाठ सुबह नौ से रात नौ बजे तक होगा।

- 23 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव पर अलीजा सरकार का स्वर्ण आभूषणों से शृंगार होगा। स्वर्ण शृंगार में स्वर्ण हसली, कंठा, राम नाम की माला, मुकुट व स्वर्ण कुंडल पहनाया जाएगा। इसके साथ ही 15 ग्राम सोने के बरक से अलीजा सरकार को स्वर्ण चोला भी चढ़ाया जाएगा। सुबह छह बजे भक्त मंडल एवं श्रद्धालुओं द्वारा जन्म आरती की जाएगी। पांच बजे महाआरती कर भगवान को छप्पन भोग समर्पित किए जाएंगे।

इसलिए खास है मंदिर

- सनातन परंपरानुसार विधि-विधान से पूजन होता है। यहां 400 साल से धूनी जल रही है।

- एक एकड़ में फैली वीर बगीची का संबंध अग्नि अखाड़े से है।

- अंजनी पुत्र का यह एक मात्र ऐसा मंदिर है जहां भांग का भोग लगाया जाता है।

अब हमीदिया अस्पताल में बिना आपरेशन के दूर होगी जोड़ों के दर्द की समस्या

महज एक इंजेक्शन से दर्द होगा छूमंतर

सिटी चीफ भोपाल

अब हमीदिया अस्पताल में जोड़ों के दर्द, साइटिका और सर्वाइकल पेन से आराम मिलेगा। यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीक से बिना कोई चीर-फाड़ किए इस दर्द को दूर किया जा सकेगा। इसे कूल्ड एंबेलेशन तकनीक कहते हैं। इसमें सिर्फ एक नीडल और एआइ बेस्ड प्रोग्राम से लैस मशीन से दर्द को पैदा करने वाली नस को खोजकर उसे जला दिया जाता है। प्रदेश में पहली बार इस एडवांस्ड तकनीक का इस्तेमाल कर मरीज का इलाज किया जा रहा है। मंगलवार को स्लिप डिस्क से पीड़ित 38 साल के प्रकाश बनकर का सफल इलाज किया। दर्द के चलते वे आठ महीने से चलने-फिरने में भी असमर्थ थे।ऐसे होता है इलाज

अस्पताल के पेन मैनेजमेंट विशेषज्ञ डा. जयदीप सिंह के अनुसार पेन क्लीनिक में बिना चीर-फाड़ किए सुई को दर्द वाली जगह पहुंचाया जाता है। इसके लिए कूल्ड रेडियो फ्रिक्वेंसी

एंबेलेशन मशीन का उपयोग किया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि मरीज को बेहोश करने की जरूरत नहीं होती। निडल को दर्द वाली जगह पर पहुंचाया जाता है। यहां एआइ बेस्ड साफ्टवेयर दर्द के लिए जिम्मेदार नस को देखकर उसे लेजर के माध्यम से जला देता है। यह प्रक्रिया लगभग एक घंटे तक चलती है। जिस हिस्से से सुई डाली जाती है, वहां पर एक टांका लगा दिया जाता है। उसी दिन या दूसरे दिन मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी जाती है।

इन व्याधियों के उपचार में कारगर

निश्चेतना विभाग के एचओडी डा. आरपी कौशल ने बताया कि इस तकनीक से कमर का दर्द, साइटिका, गर्दन दर्द, घुटना दर्द, कूल्हे के दर्द के साथ रीढ़ की हड्डी में होने वाले दर्द को भी 80 फीसदी तक कम किया जा सकता है। स्पाइन का आपरेशन करा चुके मरीजों के दर्द को भी इस तकनीक से खत्म किया जा सकता है। देश के कुछ ही अस्पतालों में है यह तकनीक

डॉ. कौशल के मुताबिक इस तकनीक का इस्तेमाल देश के गिने-चुने अस्पतालों में ही होता है। यहां भी इलाज का खर्च तीन से पांच लाख रुपए तक हो सकता है। हमीदिया में सामान्य मरीजों के लिए नाममात्र का खर्च होता है। वहीं आयुष्मान मरीजों के लिए यह सुविधा निश्शुल्क है। सारा दिन सिलाई का काम, घंटों दफ्तरों में कंप्यूटर के आगे बैठ कर काम करने व सारा खेतों में काम करने वाले किसान व मजदूर, घरेलू महिलाएं अथवा घंटों एक पाश्चर में बैठकर काम करने वालों को अक्सर दर्द हो सकता है। यह उपचार ऐसे मरीजों के लिए लाभप्रद हो सकता है।

इन मरीजों को हुआ फायदा

मैं तीन वर्ष से घुटनों के दर्द से परेशान थी, हालत यह थी कि मैं घुटने मोड़ भी नहीं सकती थी। कई अस्पताल में दिखाया, लेकिन सभी ने आपरेशन की सलाह ही दी। हमीदिया के पेन क्लीनिक में मंगलवार को एक घंटे की छोटी सी सर्जरी के बाद अब दर्द पूरी तरह चला गया है।

मतदान केंद्रों पर बुजुर्गों का तिलक लगाकर हुआ स्वागत तो कहीं महिलाएं ढोल बजाकर वोट डालने पहुंची

सिटी चीफ भोपाल

मध्य प्रदेश के में आज 6 सीटों पर पहले चरण को लेकर मतदान जारी है। प्रदेश की सीधी, शहडोल, मंडला, बालाघाट, जबलपुर और छिंदवाड़ा सीटों पर सुबह से ही मतदान को लेकर उत्साह दिख रहा है। बुजुर्ग, युवा सहित फर्स्ट टाइम वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग करने मतदान केंद्रों पर पहुंच रहे हैं।तिलक लगाकर किया स्वागत

शहडोल स्थित सोहागपुर मतदान केंद्र क्रमांक-236 में बुजुर्ग मतदाताओं के आगमन पर उनका तिलक और माला पहनाकर स्वागत किया गया।

गाजे-बाजे के साथ पहुंची महिलाएं

शहडोल लोकसभा क्षेत्र के मानपुर विस में पिंक बूथ केन्द्र मलियागुडा क्र.- 271, 272, 273 में महिला मतदाता गाजे-बाजे व उत्साह के साथ मतदान के लिए पहुंचीं

जनजातीय वेशभूषा में किया मतदान

मंडला लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत

डिंडौरी विधानसभा के हिनौता मतदान केंद्र क्रमांक 104 में युवा मतदाता देवकी रानी परस्ते जनजातीय वेशभूषा में मतदान करने पहुंची।

दिव्यांग मतदाता ने डाला वोट

मंडला संसदीय क्षेत्र के गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-118 मुंगवानी में दिव्यांग मतदाता मधुबाला गिरदोनिया व्हीलचेयर से पहुंची और अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

थर्ड जेंडर ने किया मतदान

मंडला लोकसभा के डिंडोरी में थर्ड जेंडर नाजनीन मौसी और प्रियंका ने उत्कृष्ट विद्यालय के मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया।

विदाई से पहले किया मतदान

मंडला लोकसभा अंतर्गत आशारानी सिंगरौरै ने अपनी विदाई से पहले ग्राम मेली, नारायणगंज के मतदान केंद्र-112 पहुंचकर मतदान किया।

प्रतापगढ़-भोपाल एक्सप्रेस के कोच के पहिए से निकलने लगा धुआं, काफी देर तक स्टेशन पर खड़ी रही गाड़ी

सिटी चीफ भोपाल

भोपाल रेल मंडल के सूखी सेवनिया रेलवे स्टेशन पर गुरुवार सुबह सात बजे प्रतापगढ़-भोपाल एक्सप्रेस के एक कोच के पहिए से अचानक धुआं निकलने लगा। गाड़ी स्टेशन पर खड़ी थी, तभी हाट एक्सेल की शिकायत के बाद धुआं उठा, जिसे समय रहते स्टेशन के फायर स्प्रे से खत?म कर दिया गया।इससे बड़ा हादसा टल गया। धुआं की घटना से ट्रेन आधे घंटे तक सूखी सेवनिया स्टेशन पर खड़ी रही। छोटा स्टेशन होने से यात्री पटरियों पर खड़े हो गए। इसके बाद रेलवे के टेक्नीशियन ने इसे सुधारकर ट्रेन को भोपाल के लिए रवाना किया। बता दें कि ट्रेन प्रतापगढ़ से भोपाल आ रही थी। सूखी सेवनिया स्टेशन पर ट्रेन के

रुकते ही एक डिब्बे के नीचे से धुआं उठने लगा। स्टेशन मास्टर की इस पर नजर गई तो उन्होंने तत्काल रेलकर्मियों को इसकी सूचना दी।

धुआं देख डर गए थे यात्री

ट्रेन से धुआं निकलता देख यात्री डर गए थे। अधिकतर यात्री ट्रेन से उतरकर बाहर आ गए। यात्रियों ने बताया कि ट्रेन चलते-चलते अचानक रुक गई। नीचे उतरकर देखा तो पीछे से दूसरे कोच से धुआं उठ रहा था।

होटल में मर्डर...युवती को होटल में पहुंचाने वाला आरोपित गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल

शहर के बावड़िया कलां में स्थित होटल के स्क्वायर में युवती की हत्या के मामले में फरार आरोपित कुनाल ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे गुरुवार को कोर्ट के पास से संदिग्ध हालत में घूमते हुए हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने पूछताछ के लिए कुनाल को पांच दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस उससे सैक्स रैकेट की मास्टरमाइंड फरार युवती के बारे में पूछताछ कर रही है। इस मामले में मुख्य आरोपित रितुल पांडे सहित चार लोगों को पुलिस

द्वारा पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि 13 अप्रैल की रात 27 वर्षीय युवती की होटल के स्क्वायर के कमरे में हत्या कर दी गई थी। होटल के कमरे से युवती का शव बरामद किया गया था। इस मामले में मुख्य आरोपित रितुल के अलावा सैक्स रैकेट गिरोह का सदस्य इंद्र बहादुर, होटल का कर्मचारी सागर एवं होटल का मैनेजर योगेश गिरफ्तार किए जा चुके हैं। फरार महिला महक यादव की तलाश में तीन टीमें जुटी हैं। युवती को होटल तक छोड़ने वाले कुनाल ठाकुर को गुरुवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

चोरी के शक में चाय वाले का अपहरण, बंधक बनाकर पीटा

सिटी चीफ भोपाल

चोरी के शक में अलग-अलग बाइक सवार होकर आए चार लोगों ने बुधवार को दिन दहाड़े एक चाय विक्रेता का अपहरण कर लिया। उसे गोदाम में बंधक बनाकर बेरहमी से मारा पीटा उसके बाद कोच फैक्ट्री के पास घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। इस मामले में पुलिस को रेलवे के ठेकेदार सहित चार लोगों की तलाश है।स्टेशन बजरिया थाना प्रभारी जितेंद्रसिंह ने बताया कि चांदबड़ निवासी 45 वर्षीय अनिल गुप्ता स्टेशन बजरिया में चाय की दुकान चलाता है। बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे दो बाइक से पहुंचे चार लोग बजरिया से अनिल को जबरन अपने साथ बिठाकर ले गए। उन लोगों ने उसे चांदबड़ में एक गोदाम में ले जाकर रस्सी से

बांध दिया। साथ ही पिछले दिनों गोदाम से चोरी हुई एक मशीन के बारे में पूछताछ कर मारपीट करते रहे। बाद में उसे घायल अवस्था में रेलवे कोच फैक्ट्री के पास पटककर भाग गए। घटना की जानकारी मिलने के पर स्वजन अनिल को साथ लेकर रात नौ बजे थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ अपहरण, बंधक बनाकर मारपीट करने का केस दर्ज किया है। इस मामले में मुख्य आरोपी अगम जैन का नाम सामने आया है। वह रेलवे की ठेकेदारी का काम करता है।

मतदान करो और जीतो डायमंड रिंग, बाइक समेत कई आकर्षक इनाम, प्रशासन की अपील पर व्यापारियों ने निकाली स्कीम

सिटी चीफ भोपाल

जिला प्रशासन लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए व्यापारियों के साथ मिलकर मतदाताओं को जागरूक करेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मार्केट एसोसिएशन के साथ बैठक हुई। जिसमें जिले के मतदान प्रतिशत बढ़ाने एवं अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने एवं स्वीप गतिविधियों के संबंध में चर्चा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी प्रतिनिधियों को सात मई को मतदान करने की अपील की गई। साथ ही उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि सभी अपने-अपने स्तर पर अपने संस्थान के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने, डिस्काउंट कूपन, आफर एवं गिफ्ट्स प्रदान करने का प्रयास करें, जिससे मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो। उन्होंने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर पहले

मतदाता को स्पेशल बैज दिया जाएगा। मार्केट एसोसिएशन से विशिष्ट कार्य करने वाली संस्था को 15 अगस्त पर सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक बूथ पर लकी ड्रा के माध्यम से मतदाताओं को इनाम दिए जाएंगे। जिसमें हर बूथ पर तीन इनाम निश्चित निकलेंगे, जिसमें पहला लकी ड्रा 10 बजे होगा, दूसरा लकी ड्रा दोपहर दो बजे और तीसरा शाम छह बजे होगा।

मतदाताओं को प्रोत्साहित करने व्यापारी देंगे आकर्षक गिफ्ट

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन एवं मध्यप्रदेश चेंबर आफ कामर्स इंडस्ट्रीज से संबंध 92 व्यापारिक संगठन मतदाताओं को प्रोत्साहित करेंगे। सात मई के बाद एक भव्य समारोह में बंपर इनाम का ड्रा निकाला जाएगा। जिसमें लैपटाप, टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, माउस, लंच बाक्स, हाट प्लेट, सफारी सूट लेंथ, कैप, टी शर्ट, मोबाइल फोन , मोटर साइकिल, स्कूटी सहित कई बड़े इनाम लकी ड्रा में निकाले जाएंगे।टिंबर मर्चेंट व्यवसाय संघ की ओर से 25 हजार रुपये कीमत की डाइनिंग टेबल एवं कपड़ा व्यापारी संघ बैरागढ़ की तरफ से सफारी सूट तथा डायमंड रिंग की घोषणा की।

डिस्काउंट आफर भी

आइटी इलेक्ट्रानिक मार्केट संघ के अध्यक्ष ललित जैन ने एक हजार माउस तथा एक लैपटाप देने की घोषणा की है। इसी प्रकार लायंस क्लब के द्वारा 25 केंद्र में शरबत पिलाई जाने की घोषणा की है। लायंस क्लब बैरागढ़ के द्वारा 10 हजार पोस्ट तथा दो गैस के चूल्हे स्पांसर किए हैं ।इसके साथ ही राकेश जैन अनुपम अध्यक्ष भोपाल स्वीट एंड नमकीन के द्वारा सात मई को मिष्ठान खरीदने पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। आर डिस्ट्रीब्यूटर द्वारा भी बर्तनों पर 10 प्रतिशत की छूट बैरागढ़ में प्राप्त होगी। इसी प्रकार दवा व्यापारी संघ के द्वारा फ्री हेल्थ चेकअप सात तारीख को मतदान करने पर किया जाएगा। महाराणा प्रताप व्यापारी महासंघ की तरफ से 50 दीवार घड़ी स्पांसर की गई है।

निजी स्कूलों की मनमानी की जांच के बाद 35 स्कूलों को नोटिस

ग्वालियर- किताबें और स्कूल यूनिफार्म में अभिभावकों के साथ ठगी की शिकायतों के बाद कलेक्टर की ओर से गठित जांच समितियों की रिपोर्ट के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी ने गुरुवार को 35 स्कूलों को नोटिस जारी किए गए हैं। कारण बताओ नोटिस में स्कूलों में मिली खामियां व अव्यवस्थाओं को लेकर जवाब मांगा गया है। जिन स्कूलों को नोटिस जारी किया गया है उसमें शहर के नामी-गिरामी स्कूल भी शामिल हैं।जवाब संतोषजनक न होने पर बढ़ सकती हैं मुश्किल नोटिस का जवाब संतोषजनक न होने पर स्कूल संचालकों की मुश्किल बढ़ सकती है। बता दें कि नईदुनिया ने किताबें और स्कूल यूनिफार्म में अभिभावकों से ठगी के मामले में प्रमुखता से अभियान चलाया था जिसमें स्कूल व दुकानदारों की कई खामियों को रखा। इसके बाद कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश पर स्कूलों की जांच के लिए संबंधित एसडीएम के नेतृत्व में जिले में 8 टीमें गठित की गई हैं। बुक, स्टेशनरी व यूनीफार्म बेचने वाली दुकानों की जांच के लिये 7 बिन्दु निर्धारित किए हैं। इसी तरह निजी विद्यालयों के लिये भी 6 बिंदु निर्धारित किए गए। जिला स्तरीय कमेटी का भी गठन किया गया। जांच टीमों की जांच में सामने आया कि स्कूलों में कई अव्यवस्थाएं हैं और स्कूल-ड्रेस के मामलों में भी कई स्कूलों की भूमिका संदिग्ध मिली।

72 टिकट दलालों को किया गिरफ्तार, आठ हजार से अधिक टिकट बरामद

सिटी चीफ भोपाल

भोपाल मंडल द्वारा टिकट दलालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। रेलवे आरक्षण टिकटों के संबंध में अवैध व्यापार करने वालों पर अंकुश लगाने के लिए मिशन उपलब्ध के तहत बुधवार को रेलवे सुरक्षा बल निरीक्षक वीरेंद्र कुमार यादव के नेतृत्व में रानी कमला पति रेलवे स्टेशन पर तत्काल रेलवे टिकटों का अवैध व्यापार करने वालों पर निगरानी के दौरान छापा मार कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास एक अग्रिम यात्रा का तत्काल रेल आरक्षण टिकट कीमत 3970 रुपये जब्त की गयी है। टीम द्वारा पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह 300 से 400 रुपये प्रति टिकिट के लालच में रेल आरक्षण तत्काल टिकट का अवैध व्यापार करते है। इन पर रेल अधिनियम की धारा 143 के तहत कानूनी कार्रवाई की गयी है। इस अभियान के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 में भोपाल मंडल द्वारा रेलवे में टिकटों का अवैध व्यापार, काला बाजारी करने वाले टिकट दलालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई करते हुए रेल अधिनियम 1989 की धारा 143 के तहत 67 प्रकरण दर्ज कर 72 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया एवं रुपये 2,83,000 जुर्माना वसूला गया। इन दलालों से कुल 8576 टिकिट बरामद की गई , जिनकी कीमत लगभग 1,42,15,723 थी।टिकट

दलालों पर विशेष अभियान

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि त्योहारी सीजन को देखते हुए यह सुनिश्चित करने के लिए कि आमजन को रेल टिकिट निर्धारित कीमत पर उपलब्ध हो सके, रेल प्रशासन द्वारा टिकट दलालों पर विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की जा रही है। रेलवे अधिनियम के तहत अनधिकृत व्यक्तियों से रेल टिकटों की खरीद एवं बिक्री अपराध है। ऐसा करते हुए पकडे जाने पर रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 143 के तहत अधिकतम तीन साल की जेल या दस हजार रुपये का जुर्माना अथवा दोनों का प्रावधान है।

अनधिकृत व्यक्तियों से टिकट खरीदने से बचें

रेलवे की यात्रियों से अपील है कि वह रेल टिकटों की खरीदारी केवल रेलवे द्वारा अधिकृत टिकट विक्रेता, रेलवे काउंटर, आनलाइन माध्यम से ही करें एवं अनधिकृत व्यक्तियों से टिकट खरीदने से बचें। क्योंकि ऐसे टिकटों को जब्ती की कार्रवाई के बाद अवैध कर दिया जाता है और ऐसा टिकट धारक बिना टिकट माना जाता है।

पंचग्रही योग में मंगलवार को मनाई जाएगी हनुमान जयंती

ग्वालियर - पवनपुत्र व अंजनी नंद वीर हनुमान की जयंती 23 अप्रैल मंगलवार को पंचग्रही योग में मनाई जायेगी। इसके साथ ही इस दिन चित्रा नक्षत्र और व्रज योग का भी संयोग बन रहा है । ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि इस बार हनुमान जयंती मंगलवार को पड़ने से और चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि 23 अप्रैल को है और उसी दिन हनुमान जयंती मनाई जाएगी। ज्योतिष के विद्वानों के अनुसार, इस वर्ष हनुमान जयंती पर कई खास संयोग बनने वाले हैं।23 अप्रैल को मंगलवार है और मंगलवार हनुमान जी की पूजा का दिन होता है। इसके साथ ही इस दिन चित्रा नक्षत्र और व्रज योग का भी संयोग बन रहा है।इस दिन मीन राशि में पंचग्रही योग,मेष राशि में बुधादित्य योग और कुंभ राशि में शनि राजयोग बनेगा। ये सभी संयोग कुछ राशियों के लिए भाग्यशाली साबित होंगे।ऐसा माना जाता है कि बजरंगबली की पूजा- अर्चना करने से जीवन में मंगल ही मंगल होता है। साथ ही नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा मिलता है।हनुमान जयंती पर शुभ मुहूर्त चैत्र शुक्ल पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 23 अप्रैल दिन मंगलवार को सुबह तीन बजकर 25 मिनट पर होगी। हनुमान जयंती पर कई शुभ संयोग बन रहे हैं.

हनुमान जयंती पर ब्रह्म मुहूर्त सुबह चार बजकर 20 मिनट से पंच बजकर चार मिनट तक है. इस दिन सुबह 11 बजकर 53 मिनट से दोपहर 12 बजकर 46 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त है. वहीं सुबह नौ बजकर 03 मिनट से 10 बजकर 41 मिनट के बीच हनुमानजी की पूजा करने के लिए शुभ मुहूर्त हैं. इस दिन लाभ-उन्नति मुहूर्त सुबह 10 बजकर 41 मिनट से दोपहर 12 बजकर 20 मिनट तक है. वहीं अमृत-सर्वत्तम मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 20 मिनट से 01 बजकर 58 मिनट तक है।पाठ करें।हनुमानजी की फिर आरती करें।हनुमानजी को भोग के रूप में लड्डू, हलवा और केला का भोग अर्पित करें।

साम्पदकीय

हेपेटाइटिस बी और सी को लेकर देश में बहुत कम जागृति

भारत में हेपेटाइटिस बी के करीब 3 करोड़ संक्रमित मरीज हैं, जबकि हेपेटाइटिस सी के 50 लाख से अधिक लोग बीमार हैं। लिवर की सूजन और संक्रमण के साथ इन बीमारियों का बोझ उठाने वाला भारत विश्व में ऐसा दूसरा देश है। वह दिन दूर नहीं, जब विश्व में सर्वाधिक हेपेटाइटिस संक्रमण भारत में होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट में भारत में हेपेटाइटिस की चुनौतियों और खतरों का उल्लेख है। लिवर से जुड़ी यह बीमारी घातक भी साबित हो सकती है और बाद में कैंसर का रूप भी धारण कर सकती है। हेपेटाइटिस बी और सी को लेकर भारत में जागृति बहुत कम है, क्योंकि इनके लक्षण ही पेचीदा हैं। चूंकि यह भी वायरल संक्रमण की बीमारी है, लिहाजा डॉक्टर भी लक्षणों का अध्ययन करते समय गलत निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं। भारत में हेपेटाइटिस बी के करीब 3 करोड़ संक्रमित मरीज हैं, जबकि हेपेटाइटिस सी के 50 लाख से अधिक लोग बीमार हैं। लिवर की सूजन और संक्रमण के साथ इन बीमारियों का बोझ उठाने वाला भारत विश्व में ऐसा दूसरा देश है। वह दिन दूर नहीं, जब विश्व में सर्वाधिक हेपेटाइटिस संक्रमण भारत में होगा। भारत में ही 2022 में हेपेटाइटिस ने एक लाख से अधिक जिंदगियां छीन ली थीं। चिंताजनक पक्ष यह है कि बहुत कम संक्रमित लोगों के लक्षण स्पष्ट हो पाते हैं, लिहाजा वे निदान और इलाज के दायरे में नहीं आ पाते। हेपेटाइटिस सी के 30 फीसदी से कम मामलों की पहचान हो पाती है, लिहाजा लिवर का यह संक्रमण ज्यादा घातक, यहां तक कि जानलेवा, साबित हो सकता है। हेपेटाइटिस बी के आंकड़े मात्र 3 फीसदी ही बताए जाते हैं। नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम का लक्ष्य 2030 तक भारत को हेपेटाइटिस सी से मुक्त कराना है। हेपेटाइटिस बी से जुड़ी रुग्णता, मृत्यु-संख्या और मृत्यु-दर को भी 2030 तक ही काफी कम करना है। इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार काफी आशान्वित हैं कि यदि 2024 और 2026 के बीच स्थितियों में सुधार लाया जाए, तो हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम पटरी पर लाया जा सकता है। नतीजतन लक्ष्य भी कमोबेश हासिल किए जा सकते हैं। कई बीमारियां प्रदूषित रक्त के जरिये फैलती हैं। हेपेटाइटिस की दोनों किस्में भी दूषित रक्त के जरिये विस्तार पाती हैं। हेपेटाइटिस बी लिवर के ऊतकों पर चोट करता है और कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है। लक्षण और निदान पेचीदा हैं, लिहाजा वायरस कई सालों तक छिपा रह सकता है। वे दूसरों को प्रभावित करते हैं। लक्षण तब सामने आने लगते हैं, जब रोगाणु ज्यादा आक्रामक रुख अख्तियार कर लेते हैं। हालांकि हेपेटाइटिस की किस्मों का कोई इलाज नहीं है, लेकिन जो इलाज किया जाता है, उससे कुछ हद तक लक्षणों का बंदोबस्त किया जा सकता है। यानी इलाज से बीमारी कुछ सीमा तक काबू में की जा सकती है। हालांकि 2018 में नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत टेस्टिंग और दवाएं निःशुल्क हैं, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन की यह रपट भी है कि प्रोग्राम ज्यादातर मरीजों के पास पहुंचा ही नहीं है। बीते 20 सालों में खून की जांच के प्रोटोकॉल बहुत सख्त किए गए हैं, लिहाजा रक्त के संक्रमण का जोखिम कम हुआ है। भारत में हेपेटाइटिस बी संक्रमण मामलों के अभी तक जो विश्लेषण किए गए हैं, उनमें संक्रमण मां से शिशु की ओर गया है। टीकाकरण से भी इस बीमारी और संक्रमण के विस्तार को रोका जा सकता है। भारत में टीकाकरण भी काफी अनियमित है और शिशु के जन्म लेने के तुरंत बाद जो टीकाकरण किया जाना चाहिए, उसके प्रति अशिक्षित और अज्ञानी जमात गंभीर नहीं है, लिहाजा शिशु की इम्युनिटी प्रभावित होती है। भारत में 50 फीसदी से कम शिशुओं को सभी आवश्यक टीके समयानुसार दिए जाते हैं। बहरहाल हेपेटाइटिस सी का इलाज अपेक्षाकृत आसान और संभव है। एंटी-वायरल बीमारी का इलाज कर सकते हैं और दीर्घकाल में लिवर को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में हेपेटाइटिस का उपलब्ध इलाज दुनिया में सबसे सस्ता है। करीब 70 फीसदी मरीज निदान और इलाज नेटवर्क से दूर भागते रहते हैं और प्राथमिक चिकित्सा को दोष देते रहते हैं। चूंकि यह चेतावनी विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से आई है, लिहाजा सरकारों के स्तर पर इस संक्रमण को संबोधित किया जाना चाहिए। बेशक हेपेटाइटिस हो अथवा टीबी हो, इन संक्रामक बीमारियों को लेकर जरा-सी भी कोताही नहीं बरतनी चाहिए। कोरोना काल के दौरान जिस तरह सजगता के साथ काम किया गया, उसी पैटर्न पर काम करने की जरूरत है।

अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते दक्षिण के क्षेत्रीय दल, विरोध को हवा दे रही कांग्रेस

चुनावी अभियान के बीच आरोप-प्रत्यारोप कोई नई बात नहीं है। जब प्रचार तमिलनाडु जैसे राज्य में हो, तो भाषा अपने आप मुद्दा बन जाती है। चुनावी अभियान ही नहीं, सामान्य दिनों में भी दक्षिण के क्षेत्रीय दल अपनी भाषायी अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते। तमिलनाडु इस मामले में अगुआ रहा है। अक्सर ऐसे अभियानों में केंद्र सरकार और भाजपा जैसी पार्टियां ही निशाने पर रहती हैं। लेकिन भाषायी अस्मिता को चुनावी मुद्दा बनाने में उस कांग्रेस का नाम भी जुड़ गया है, जिसने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी को देश की प्रमुख भाषा बनाने का अभियान चलाया था। कोयंबटूर की चुनावी सभा में राहुल गांधी ने तमिल लोगों को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश में एक ही भाषा चाहते हैं। यानी प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी तमिल के खिलाफ हैं। इस पर विवाद खड़ा होना स्वाभाविक है। भाजपा ने राहुल गांधी के इस बयान की शिकायत चुनाव आयोग से की है।

वैसे राहुल गांधी कांग्रेस के पहले नेता नहीं हैं, जिन्होंने भाषा को लेकर ऐसा बयान दिया है। केरल के तिरूवनंतपुरम सीट से चुनाव लड़ रहे शशि थरूर भी चुनाव प्रचार में भाजपा पर ऐसे आरोप लगा चुके हैं। हालांकि उनके बयान को उतनी तवज्जो नहीं मिली, क्योंकि केरल में हिंदी को लेकर तमिलनाडु जैसा माहौल नहीं रहा है। तमिलनाडु में तो हिंदी विरोध में पिछली सदी के साठ के दशक के आखिरी दिनों में आंदोलन तक हो चुका है, लेकिन केरल में ऐसा नहीं है। चाहे राहुल हों या शशि थरूर,

दोनों के बयानों का एकमात्र मकसद यही है कि वे अपने वोटरों को इस आधार पर अपने समर्थन में खड़ा करें और उनका मत हासिल करें। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसे विभाजनकारी बयानों की चुनाव में जरूरत है?

भारत की राजभाषा या राष्ट्रभाषा हिंदी हो, इसके खिलाफ पहला सवाल तमिलनाडु से ही उठा। तमिल विरोध के चलते संविधान के प्रावधान में हिंदी को जो हैसियत 26 जनवरी, 1965 को मिलनी चाहिए थी, नहीं मिल पाई। तमिलनाडु में हुए हिंदी विरोधी आंदोलन की वजह से हिंदी देश की आधिकारिक रूप से संपर्क भाषा भी नहीं बन पाई। लेकिन तब से लेकर अब तक कावेरी और कृष्णा नदियों में काफी पानी बह चुका है। राजनीतिक बुनियाद पर भले ही दक्षिणी राज्यों में सीमित हिंदी विरोधी मानसिकता बची हुई हो, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि अब दक्षिणी राज्यों की सोच भी बदल रही है। अगर ऐसा नहीं होता, तो टूटी-फूटी ही सही, दक्षिणी राज्यों में भी हिंदी लिखने-बोलने की कोशिश नहीं होती। हिंदी सिनेमा के गाने दक्षिणी राज्यों में पसंद नहीं किए जाते।

हिंदी की राह में सबसे बड़ी बाधा राजनीति रही है। अपने फायदे-नुकसान को ध्यान में रखते हुए वही स्थानीय लोकभावनाओं को कभी पक्ष, तो कभी विपक्ष में भड़काती है। महात्मा गांधी का सपना था कि आजाद भारत की अपनी भाषा हो, वह केंद्रीय भाषा बने। गुजरातीभाषी होते हुए भी उन्हें हिंदी में ही यह ताकत और संभावना नजर आई। लेकिन स्वाधीन भारत के राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते हिंदी आधिकारिक रूप से केंद्रीय भाषा नहीं बन पाई।

राजनीति ने हिंदी विरोध के लिए अब नया बहाना ढूंढ़ लिया है। बहुभाषिकता और भाषायी लोकतंत्र को बनाए रखने के नाम पर उसका विरोध किया जाता है। दिलचस्प है कि केंद्रीय भाषा के तौर पर विदेशी भाषा तो स्वीकार्य हो सकती है, लेकिन अपनी हिंदी नहीं।

तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी द्रमुक हिंदी की घोषित विरोधी है। जब भी उसे मौका मिलता है, हिंदी विरोध में अपनी आवाज मुखर करने से वह नहीं हिचकती। जब नई शिक्षा नीति लागू हो रही थी, तब भी उसने आरोप लगाया था कि हिंदी को थोपने की कोशिश की जा रही है। द्रमुक इंडिया गठबंधन का प्रमुख हिस्सा है। लेकिन गौर किया जाना चाहिए कि तमिलनाडु में जब प्रधानमंत्री मोदी या अमित शाह या फिर योगी आदित्यनाथ प्रचार में उतरते हैं, तो हिंदी में बोलते हैं। उनके भाषणों का तमिल में अनुवाद होता है। अगर तमिल जनता हिंदी विरोधी होती, तो वह धैर्य से इन नेताओं का भाषण नहीं सुनती। लेकिन कभी ऐसा नहीं लगा कि तमिल लोगों ने इन नेताओं के हिंदी भाषणों में अरुचि दिखाई हो। साफ है कि हिंदी को लेकर दक्षिण का लोकमानस बदल रहा है, अगर नहीं बदल रही है, तो वह है राजनीति।

हालांकि कांग्रेस तर्क दे सकती है कि एक भाषा थोपने की उसके नेताओं की बात के पीछे हिंदी विरोध नहीं है। लेकिन केंद्रीय भाषा के रूप में एक भाषा का मतलब स्वतंत्र भारत में हिंदी ही है। ऐसे बयानों से राजनीतिक फायदा जो भी हो, भाषायी मानस का नुकसान होता है।

पाकिस्तान बेपरवाहः ईरान-इस्राइल टकराव से कई मुल्कों पर असर लाजिमी, तेल की कीमतों में लगेगी आग

पिछले रविवार को जैसे ही पाकिस्तान के लोग जगे, उन्हें यही खबर मिली कि ईरान ने इस्राइल पर हवाई हमला कर दिया है और सैन्य अभियान अब भी जारी है। मेरी तत्काल प्रतिक्रिया थी कि इस्राइल भी पलटवार करेगा और इस क्षेत्र में एक नया युद्ध शुरू होने जा रहा है। ईरान और इस्राइल के बीच स्थित कई अरब देश भी इससे प्रभावित होंगे। हालांकि पिछले रविवार पाकिस्तान की सड़कों पर जीवन सामान्य था और आम लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि ईरान ने युद्ध की घोषणा कर दी है। जो लोग टीवी देख रहे थे, केवल वही इस खबर में दिलचस्पी ले रहे थे, अन्यथा किसी को इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। यहां तक कि पाकिस्तान की हुकूमत भी चुप थी। हालांकि पाकिस्तान में एक्स (ट्विटर) पर प्रतिबंध है, अधिकांश लोग इसे एक्सेस करने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकार की तरफ से भी इस पर कोई बयान नहीं आया, विदेश मंत्री का भी नहीं।

मैंने ट्वीट करके प्रधानमंत्री को आपातकालीन सुरक्षा बैठक बुलाने के लिए कहा, क्योंकि स्थिति बहुत अप्रत्याशित थी और यह युद्ध किसी भी दिशा में जा सकता था। हालांकि दुनिया की कई सरकारें एक-दूसरे तथा ईरान और इस्राइल के संपर्क में थीं, लेकिन पाकिस्तान के मंत्री एवं अधिकारी बिल्कुल शांत थे। अन्य मुल्कों की तरह पाकिस्तान में तेल बहुत महंगा है और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की पहुंच से बाहर है। इसलिए मेरा पहला विचार यही था कि अगर पड़ोस में युद्ध होता है, तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगेंगी।

पड़ोस में युद्ध पाकिस्तान के लिए कोई नई बात नहीं है। हममें से कई लोग भारत के साथ युद्ध से गुजर चुके हैं और अफगानिस्तान भी कभी शांत नहीं रहा है। इसलिए अब दूसरे पड़ोसी ईरान को युद्ध में शामिल होते और इसके प्रभाव को पसरते देखना डरावना था। लंबी और साझी सीमा के साथ ईरान पाकिस्तान का निकट पड़ोसी है। कभी-कभी दोनों तरफ के आतंकवादी हमले करते हैं और पाकिस्तान-ईरान सीमा पर तस्करों के साथ झड़पें होती हैं, लेकिन आम तौर पर स्थानीय प्रशासन इससे निपटता है। सीमा पर विशेष रूप से पेट्रोल की तस्करी आम बात है और ऊपर से लेकर नीचे तक के अधिकारियों की इसमें मिलीभगत होती है और यह लगातार उनकी नाक के नीचे होता है। व्यवसायी अक्सर शिकायत करते हैं कि ईरान से होने वाली तस्करी उनके व्यवसाय को नुकसान पहुंचा रही है, लेकिन सरकार उस पर कोई ध्यान नहीं देती।

एक बार सरकार ने घोषणा की कि वह तस्करी को बर्दाश्त नहीं करेगी और उससे कठोरता से निपटेगी। इससे थोड़े समय के लिए तस्करी पर विराम लगा, लेकिन क्वेटा के दुकानदारों ने ईरानी दरी की कीमत बढ़ा दी। उनकी शिकायत थी कि इन दरियों की भारी मांग है, लेकिन सीमा पार से दरियां नहीं आती हैं, इसलिए कीमत बढ़ गई है। लेकिन तस्करी सौ फीसदी कभी नहीं रुकी और अब भी जारी है।

कुछ समय पहले ईरान ने बलूचिस्तान के भीतर हवाई हमले करके दुनिया को चौंका दिया था। उसका आरोप था कि ईरान-विरोधी आतंकवादी गुट वहां रहते हैं। उसके बाद पाकिस्तान ने भी ईरान के इलाकों पर बमबारी की और दावा किया कि ईरान के भीतर पाकिस्तान-विरोधी आतंकी गुटों को सुरक्षित पनाह मिली हुई है। सवाल उठता है कि अगर पाकिस्तान और ईरान, दोनों जानते हैं कि उनकी जमीन पर आतंकवादी गुट हैं, तो उन्हें दोनों मुल्कों द्वारा संरक्षण क्यों दिया जाता है। क्या दोनों मुल्क उन्हें प्रॉक्सी के तौर पर इस्तेमाल करते हैं? इससे दोनों मुल्कों के नागरिकों को बेहद खतरनाक और भ्रामक संदेश जाता है, जो एक-दूसरे को अपना मजबूत सहयोगी और मुस्लिम भाईचारे के हिस्से के रूप में देखते हैं और कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर एक साथ खड़े हैं। खैर, दोनों पक्षों के पीछे हटने से समझदारी कायम हुई। ईरान ने कूटनीतिक रिश्ते की बहाली के लिए अपने विदेश मंत्री को पाकिस्तान भेजा। अब दोनों मुल्कों के रिश्ते बेहतर हैं और इसी महीने के अंत में ईरानी राष्ट्रपति पाकिस्तान के दौरे पर आने वाले हैं।

इस्राइल पर ईरान के हमले ने, जिसमें अमेरिका, अन्य पश्चिमी देश एवं जॉर्डन इस्राइल की सहयता के लिए आगे आए, मुझे दो बातें याद दिला दीं।

पहली, दुनिया भर के मुल्कों को आशंका थी कि ईरान सीरिया में अपने राजनयिक मिशन पर हमले और वरिष्ठ अधिकारियों की मौत का बदला लेगा, लेकिन शक्तिशाली वायु सेना का दावा करने वाला इस्राइल हमले से हैरान रह गया। अमेरिका के नेतृत्व में बाहरी शक्तियां उसकी मदद के लिए आगे आईं। पश्चिमी समर्थकों की मदद के बिना इस्राइल अपनी रक्षा करने में असमर्थ था और वहां जान-माल का भारी नुकसान होता। दिलचस्प है कि जब इस्राइल ने कूटनीतिक नियमों का उल्लंघन कर सीरिया में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमला किया, तो पश्चिमी देशों ने उसकी आलोचना नहीं की, लेकिन जब ईरान ने जवाबी कार्रवाई की, तो वे सभी ईरान की आलोचना करने लगे।

दूसरी बात को इस हफ्ते पाकिस्तान दौरे पर आए सऊदी विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान और पाकिस्तानी विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अच्छी तरह से समझाया। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसी बातें हैं, जिन पर बात करने में सबको शर्म आती है। दोनों विदेश मंत्रियों ने कहा कि जबसे इस्राइल और हमास के बीच युद्ध शुरू हुआ है, इस्राइल ने 30 हजार से ज्यादा फलस्तीनियों की गाजा में हत्या कर दी है। उन्होंने पूछा कि जब इस्राइल ने गाजा में अस्पतालों, स्कूलों, खेल के मैदानों, आवासीय घरों पर बम गिराया, तो इस्राइल समर्थक पश्चिमी लॉबी ने उन्हीं तकनीकों से इस्राइल को रोकने की कोशिश क्यों नहीं की, जिन तकनीकों से उन्होंने ईरानी हमले से इस्राइल को बचाया है? आप कल्पना कर सकते हैं कि ऐसा करने पर कितने सारे बच्चे बच जाते!

राजनीति में भी चमके मीडिया के सितारे

आजादी के आंदोलन में तो मीडिया को एक तंत्र की तरह इस्तेमाल करने के लिए प्रायः सभी वरिष्ठ राजनेता पत्रकारिता से जुड़े और उजली परंपराएं खड़ी कीं। बालगंगाधर तिलक, महात्मा गांधी से लेकर सुभाष चन्द्र बोस, महामना मदनमोहन मालवीय, पंडित नेहरू सभी पत्रकार रहे।

इन दिनों देश में लोकतंत्र का महापर्व चल रहा है। जाहिर है राजनीति का आकर्षण प्रबल है। सिने कलाकार, साहित्यकार, वकील, न्यायाधीश, खिलाड़ी, गायक, उद्योगपति सब क्षेत्रों के लोग राजनीति में हाथ आजमाना चाहते हैं। ऐसा ही हाल पत्रकारिता के सितारों का भी है। मीडिया और पत्रकारिता के अनेक चमकीले नाम राजनीति के मैदान में उतरे और सफल रहे।

आजादी के आंदोलन में तो मीडिया को एक तंत्र की तरह इस्तेमाल करने के लिए प्रायः सभी वरिष्ठ राजनेता पत्रकारिता से जुड़े और उजली परंपराएं खड़ी कीं। बालगंगाधर तिलक, महात्मा गांधी से लेकर सुभाष चंद्र बोस, महामना मदनमोहन मालवीय, पंडित नेहरू सभी पत्रकार रहे। आजादी के बाद बदलते दौर में पत्रकारिता और राजनीति की राहें अलग-अलग हो गईं, लेकिन सत्ता का आकर्षण बढ़ गया। जनपक्ष, राष्ट्र सेवा की पत्रकारिता अब आजाद भारत में राष्ट्र निर्माण का भाव भरने में लगी थी। सेवा राजनीति के माध्यम से भी की जा सकती है, यह भाव भी प्रबल हुआ।

राजनीतिक दलों से संबंधित समाचार पत्रों, पत्रिकाओं के अलावा मुख्यधारा की पत्रकारिता से भी लोग राजनीति में आए,

जिसमें सबसे खास नाम अटल बिहारी वाजपेयी का है, जो वीर अर्जुन जैसे दैनिक अखबार के संपादक रहे। इसके साथ ही वे स्वदेश, पांचजन्य और राष्ट्रधर्म के भी संपादक रह चुके थे। वे जहां संसदीय राजनीति के लंबे अनुभव के साथ प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री भी रहे, तो वहीं भाजपा के वह संस्थापक अध्यक्ष भी रहे। उप प्रधानमंत्री रहे लालकृष्ण आडवाणी भी हिंदुस्तान समाचार और ऑर्गनाइजर से जुड़े रहे, फिर राजनीति में आए।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे द्वारिका प्रसाद मिश्र दैनिक लोकमत, साप्ताहिक सारथी और श्री शारदा के संपादक के रूप में ख्याति प्राप्त हुए। विंध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शंभूनाथ शुक्ल बाद में बने मध्यप्रदेश में मंत्री और सांसद रहे। विशाल भारत के संपादक रहे बनारसी दास चतुर्वेदी दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे। गणेश शंकर विद्यार्थी के शिष्य रहे बालकृष्ण शर्मा नवीन प्रताप के संपादक रहे और कांग्रेस से राज्यसभा पहुंचे। महाराष्ट्र का दर्डा परिवार राजनीति में अग्रणी रहा। लोकमत समाचार के संस्थापक जवाहरलाल दर्डा, राजेन्द्र दर्डा और विजय दर्डा सांसद, विधायक और मंत्री रहे। विजया कर्नाटक और कन्नड़ प्रभा अखबार से जुड़े रहे प्रताप सिम्हा भाजपा से दो बार लोकसभा पहुंचे। उनका नाम चर्चा में तब आया, जब उनके द्वारा अनुमोदित विजिटर पास से दो युवकों ने नई संसद में पहुंच कर हंगामा किया।

मूलतः पत्रकारिता से सार्वजनिक जीवन में आने वाले मोतीलाल वोरा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और लंबे समय तक कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे श्यामाचरण शुक्ल ने रायपुर से दैनिक महाकौशल अखबार निकाला। भाजपा के मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों के अध्यक्ष रहे लखीराम अग्रवाल ने बिलासपुर से लोकस्वर अखबार निकाला। बिलासपुर के पत्रकार बीआर यादव मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री और चार बार विधायक रहे। बिलासपुर के ही रहने वाले कवि, पत्रकार श्रीकांत वर्मा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा के सदस्य रहे। वे दिनमान के संपादक मंडल में रहने के बाद राजनीति में आए। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के रहने वाले चंदूलाल चंद्राकर दैनिक हिन्दुस्तान के संपादक रहे। बाद में कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा में भेजा। राजनांदगांव के पत्रकार लीलाराम भोजवानी छत्तीसगढ़ सरकार में श्रम मंत्री रहे। देशबन्धु में पत्रकारिता का पाठ पढ़ने वाले चंद्रशेखर साहू छत्तीसगढ़ से सांसद, मंत्री और विधायक रहे। मध्यप्रदेश में सीहोर के पत्रकार शंकर लाल साहू विधायक रहे। त्रिभुवन यादव पिपरिया से विधायक चुने गए। कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे और दो बार विधायक चुने गए विष्णु राजोरिया मूलतः पत्रकार ही हैं, बाद में उन्होंने शिखर वार्ता पत्रिका भी निकाली। मप्र में ही केएन प्रधान सांसद, विधायक और मंत्री भी रहे। नागपुर के अंग्रेजी अखबार हितवाद के प्रकाशन करने वाले बनवारी लाल पुरोहित कांग्रेस और भाजपा दोनों से लोकसभा पहुंचे। संप्रति वे पंजाब के राज्यपाल हैं।

कांग्रेस ने राजीव शुक्ला, प्रफुल्ल कुमार माहेश्वरी, कुमार केतकर, विजय दर्डा आदि को राज्यसभा से नवाजा। राजीव शुक्ला मनमोहन सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे। वरिष्ठ पत्रकार संजय निरुपम लोकसभा पहुंचे और मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। सामना के संपादक संजय राऊत अपने धारदार बयानों के लिए लोकप्रिय हैं, वे भी राज्यसभा सदस्य हैं। जनता दल (यू) ने प्रभात खबर के संपादक रहे हरिवंश को दो बार राज्यसभा भेजा, वह इन दिनों राज्यसभा के उपसभापति भी हैं। ऑर्गनाइजर के संपादक रहे के.आर.मलकानी बाद में राज्यसभा पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी ने चंदन मित्रा, दीनानाथ मिश्र, बलबीर पुंज, राजनाथ सिंह सूर्य, नरेन्द्र मोहन, प्रभात झा, तरुण विजय, स्वप्नदास गुप्ता को राज्यसभा भेजा। इनमें मित्रा बाद में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए, जबकि पुंज और झा पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रहे। प्रभात झा मध्यप्रदेश भाजपा के चर्चित अध्यक्ष भी रहे। भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों में रह चुके वरिष्ठ पत्रकार एमजे अकबर किशनगंज से कांग्रेस से लोकसभा पहुंचे। बाद में भाजपा ने उन्हें राज्यसभा भेजा और विदेश राज्य मंत्री बनाया।

तृणमूल कांग्रेस ने हाल में ही अंग्रेजी की पत्रकार सागरिका घोष को राज्यसभा भेजा है। इसके पूर्व उर्दू पत्रकारिता से जुड़े रहे नदीमुल हक भी राज्यसभा में पहुंचे। हिंदी अखबार सन्मार्ग के मालिक विवेक गुप्ता तृणमूल से सांसद भी रहे, अब विधानसभा में हैं। कुणाल घोष भी इसी दल से राज्यसभा पहुंचे। हिमाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री मुकेश कौशिक भी मूलतः पत्रकार हैं। वे दिल्ली और शिमला में पत्रकारिता की लंबी पारी के बाद राजनीति में आए। हरियाणा के अंबाला लोकसभा क्षेत्र से 2014 में भाजपा सांसद चुने गए अश्विनी कुमार अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन पंजाब केसरी के माध्यम से की गई उनकी धारदार पत्रकारिता लोगों के जेहन में है। इकोनॉमिक टाइम्स में रहे देवेश कुमार बिहार में भाजपा से विधान परिषद में है और प्रदेश महामंत्री भी हैं। हरियाणा सरकार में वित्त मंत्री रहे कैप्टन अभिमन्यु भी दैनिक हरिभूमि के संपादक, प्रकाशक रहे हैं। उर्दू के पत्रकार शाहिद सिद्दीकी (नई दुनिया) सपा से, तो मीम अफजल (अखबार-ए-नौ) कांग्रेस से राज्यसभा पहुंचे। आंध्र प्रदेश से वार्ता के संपादक गिरीश सांघी कांग्रेस से राज्यसभा हो आए। पत्रकारिता से जुड़े रहे तेलंगाना के के. केशवराव कांग्रेस और टीआरएस दोनों दलों से राज्यसभा जा चुके हैं। कोलकाता के पत्रकार अहमद सईद मलीहाबादी भी राज्यसभा पहुंचे। जनता दल यूनाइटेड से एजाज अली भी राज्यसभा (2008 से 2010) में रहे। कुछ राजनीति की देहरी से भी लौट आए, जैसे वरिष्ठ पत्रकार उदयन शर्मा (कांग्रेस) और सीमा मुस्तफा जनता दल के टिकट पर लोकसभा नहीं पहुंच सके।

राजनीति के मंच पर ऐसे अनेक सितारे चमके और अपनी जगह बनाई। तमाम ऐसे भी थे, जो पार्टी के प्रवक्ता या बौद्धिक कामों से जुड़े रहे। तमाम अज्ञात ही रह गये। राजनीति वैसे भी एक कठिन खेल है, संभावनाओं से भरा भी। किंतु सबको इसका फल मिले यह जरूरी नहीं। बावजूद इसके इसका आकर्षण कम नहीं हो रहा। वरिष्ठ पत्रकार प्रभाष जोशी कहते थे, पत्रकार की पोलिटिकल लाइन तो ठीक है, पर पार्टी लाइन नहीं होनी चाहिए। किंतु यह लक्ष्मण रेखा भी टूट रही है। क्यों इस पर सोचिए जरूर।

वोट डालने रूस से लौटे विजय, रजनीकांत-धनुष ने भी मतदान कर पूरी की जिम्मेदारी

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए आज मतदान हो रहा है। पहले दौर के चुनाव में 21 राज्यों की कुल 102 सीटों पर वोटिंग हो रही है। जैसे ही शुक्रवार को लोकसभा चुनाव 2024 शुरू हुआ और तमिलनाडु में मतदान हुआ तो दक्षिण के कई दिग्गज सितारे वोट डालकर अपनी जिम्मेदारी निभाते नजर आए। सुपरस्टार रजनीकांत, अभिनेता धनुष समेत कई सितारे वोट डालते नजर आए हैं और फैंस से भी अपना वोट डालने का आग्रह किया है। एक वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें रजनीकांत को भारी पुलिस बंदोबस्त के बीच शुक्रवार तड़के चेन्नई के एक मतदान केंद्र पर पहुंचते देखा जा सकता है। जैसे ही स्थानीय लोगों को उनके आसपास अभिनेता की मौजूदगी की भनक लगीं। वे मतदान केंद्र पर जमा हो गए और जैसे ही अभिनेता अंदर आए, फैंस ने उन्हें घेर लिया। रजनीकांत को वोट डालते और मीडिया को पोज देते देखा गया। उन्होंने अपने प्रशंसकों से भी जिम्मेदारी से मतदान करने और अपने नेताओं को चुनने के अपने अधिकार का सही इस्तेमाल करने का आग्रह किया। अभिनेता की तस्वीरें और वीडियोज तेजी से वायरल भी हो रहे हैं। धनुष को भी बाद में मतदान केंद्र पर पहुंचते देखा गया और जैसे ही वह अपनी कार से बाहर निकले, उन्हें पुलिस ने घेर लिया और अभिनेता को तुरंत अंदर ले गए, जहां उन्होंने अपना वोट डाला। स्थानीय लोग अपने क्षेत्र में स्टार को देखकर उत्साहित हो गए और अभिनेता को उनके प्रशंसकों और मीडिया ने घेर लिया। तमिल अभिनेता अजित कुमार और शिवकार्तिकेयन को भी सुबह सबसे पहले चेन्नई में वोट डालते देखा गया। तमिलनाडु उन पहले राज्यों में से एक है, जहां सात चरण के लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ऐसी पार्टियां हैं, जो इस क्षेत्र में वोटों के लिए संघर्ष कर रही हैं। कॉलीवुड सुपरस्टार थलापति विजय हर बार चुनावों में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते हैं। अभिनेता रूस में चल रही अपनी आगामी फिल्म %गोट% - ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल द टाइम की शूटिंग से ब्रेक लेकर इंडिया लौटे हैं। खबर है कि अभिनेता वोट करने के लिए भारत लौटे हैं। अभिनेता के इस कदम की फैंस जमकर सराहना भी कर रहे हैं।

काम चालू है की स्क्रीनिंग में जुटे सितारे, गौहर खान से पलक तक ये सेलेब्स देखने पहुंचे फिल्म

राजपाल यादव और जिया मानेक की फिल्म काम चालू है आज रिलीज हो रही है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर आ रही है। रिलीज से पहले इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई। जहां गौहर खान और पलक मुछल सहित कई सितारे नजर आए। गौहर खान ने कहा, मैं यहां काम चालू है कि स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए आई हूं। यह सची घटना पर आधारित है। बहुत ही मार्मिक कहानी है। एक बची की जान चली जाती है। यह दुखद घटना होती है। मैं सभी से अपील करती हूं कि इस फिल्म को जरूर देखें। पूरी टीम को मेरी तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं दुआ करती हूं कि ऐसी घटना किसी अभिभावक के साथ न घटे। यह फिल्म देखकर जागरुक हो जाइए, ताकि ऐसी दुर्घटनाएं न घटें। गौहर ने राजपाल यादव के लिए कहा, उनके बारे में क्या कहें। वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। वह कुछ भी कर सकती हैं। हम अक्सर लोगों को श्रेणियों में बांध देते हैं कि वह सिर्फ कॉमेडी कर सकते हैं, या एक्शन कर सकते हैं। लेकिन, ऐसा नहीं करना चाहिए। राजपाल यादव को हम किसी सीमा में नहीं बांध सकते। मेरी एक दोस्त जिया मानेक भी इस फिल्म में हैं। वह अच्छी अभिनेत्री होने के साथ-साथ बहुत अच्छी इंसान भी हैं। राजपाल यादव से जब पूछा गया कि इस फिल्म को करते हुए उन्होंने कितना एंजॉय किया? इस पर अभिनेता ने कहा, बहुत यादा। हम लोग कॉमर्शियल एक्टर हैं। अपने पूरे करियर में यादातर 90 प्रतिशत कमर्शियल फिल्म ही की हैं। लेकिन कहते हैं, सालभर दो-चार कमर्शियल और एक मीनिंगफुल मनोरंजन फिल्म, जैसे पिछले साल अर्ध आई, जो अलग विषय पर है। राजपाल यादव ने आगे कहा, काम चालू है कोई फिल्म नहीं है, यह एक वर्षों पुरानी एक दिक्कत है। हमारे देश में निर्माण होता रहता है, फंक्शन खूब होते हैं। यहां राष्ट्रीय, धार्मिक और सामाजिक...हजारों गड्ढे रोज होते हैं और आगे भी होते रहेंगे। मैं इस फिल्म के जरिए सबसे यही आग्रह करना चाहता हूं कि आपने बड़े-बड़े काम किए हैं। गड्ढे होते रहेंगे। सफाई के साथ-साथ एक फावड़ा और परात भी रख लो। जहां भी अपने घर के आसपास कहीं भी गड्ढा दिख गया तो उसे पाट दें। अभिनेत्री जिया मानेक भी स्क्रीनिंग में पहुंचीं। फिल्म में वह राजपाल यादव की पत्नी की भूमिका में हैं। जिया ने कहा, यह सची घटना पर बनी फिल्म है। इस फिल्म के लिए मुझे अलग से कुछ तैयारी नहीं करनी पड़ी। मैं इससे आसानी से कनेक्ट कर सकती हूं। स्क्रीनिंग में पहुंची पलक मुछल ने कहा, यह मेरे भाई की फिल्म है और बहुत ही प्यारी फिल्म है। इसे जरूर देखें। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन पलाश मुछल ने किया है।

दुबई से हैदराबाद लौटे महेश बाबू और एसएस राजामौली, एसएसएमबी 29 को लेकर कर रहे यह खास तैयारी

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों फिल्म निर्माता एसएस राजामौली के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका अस्थायी शीर्षक एसएसएमबी 29 है। महेश बाबू और एसएस राजामौली को आज शुक्रवार की सुबह हैदराबाद लौटते देखा गया। उन्हें एयरपोर्ट पर देखा गया। एक्स और इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में महेश बाबू और एसएस राजामौली एयरपोर्ट से बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। बताया गया है कि दोनों दुबई से लौट रहे थे।

फिलहाल फिल्म एसएसएमबी 29 अपने प्री-प्रोडक्शन चरण में है। महेश बाबू, एसएस राजामौली और निर्माता केएल नारायण दुबई से लौटने पर आज सुबह राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर देखे गए। काफी समय हो गया है, जब प्रशंसकों को महेश बाबू और एसएस राजामौली को एक साथ देखने का आनंद मिला है।

महेश को काले और सफेद जैकेट और नीचे ग्रे टी-शर्ट पहने देखा गया। इसे उन्होंने जींस के साथ जोड़ा था। उन्होंने टोपी, धूप का चश्मा पहन रखा था और कंधे पर बैग ले जाते हुए नजर आए। दूसरी ओर राजामौली नीली जैकेट के साथ भूरे रंग की टी-शर्ट पहने नजर आए। दोनों ने पैपराजी से दूरी बनाए रखी।

उनकी हालिया झलक से प्रशंसकों को विश्वास हो गया है कि महेश बाबू और एसएस राजामौली फिल्म के बारे में एक नई घोषणा करने पर काम कर सकते हैं। दोनों ने फिल्म की कहानी के बारे में चुप्पी साध रखी है। उन्होंने अभी तक शीर्षक का भी खुलासा नहीं किया है। हालांकि, हाल ही में एक साक्षात्कार में एसएस राजामौली ने फिल्म के बारे में बात की थी और बताया था कि उनकी कहानी तैयार है और हीरो भी तैयार है। फिल्म प्री-प्रोडक्शन में है। कास्टिंग पूरी नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही इस पर काम हो जाएगा। इस पर तेजी से काम जारी है।

एसएसएमबी 29 के जरिए महेश बाबू और एसएस राजामौली पहली बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म को एक जंगल एडवेंचर फिल्म माना जा रहा है और अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म बड़े पैमाने पर होगी। इसके अलावा यह भी कहा जा है कि फिल्म में पौराणिक कथाओं और भारतीय महाकाव्यों की झलक होगी, जो राजामौली का ट्रेडमार्क है। वहीं कहानी के बारे में बात करें तो खबर है कि फिल्म की पटकथा और महेश बाबू का किरदार रामायण के भगवान हनुमान से प्रेरित है। फिल्म के लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में खुलासा किया था कि निर्माता अफ्रीका में एक एक्शन-एडवेंचर सेट के लिए हॉलीवुड अभिनेताओं को शामिल करेंगे।

तीन कहानियों में दिखी दिबाकर की तीन बेइमानियां, 'एलएसडी 2' से पूरा किया सर्किल

निर्देशक अनुराग कश्यप की फ्लॉप फिल्म सीरीज 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' का एक संवाद किसी भी फिल्म का टिकट खरीदने से पहले हमेशा याद रखना चाहिए। वही, 'जब तक हिंदुस्तान में सिनेमा है लोग...'। इन्हीं अनुराग कश्यप की फिल्म 'दो बारा' के साथ तीन साल पहले एकता कपूर ने कल्ट मूवीज नाम की नई कंपनी शुरू की। कंपनी के इंस्टाग्राम पेज पर कुल 5,478 फॉलोअर्स हैं। और, इसी इंस्टाग्राम पीढ़ी के लिए एकता कपूर ने कल्ट मूवीज के बैनर तले बनाई है, 'लव सेक्स और धोखा 2'।

दिबाकर बनर्जी का अस्त काल?

फिल्म 'लव सेक्स और धोखा 2' के निर्देशक वही दिबाकर बनर्जी हैं, जिन्होंने एकता कपूर की एक और कंपनी आल्ट एंटरटेनमेंट के लिए इसकी पहली कड़ी 'लव सेक्स और धोखा' बनाई। तब से लेकर अब तक के 14 साल में दुनिया कहां से कहां पहुंच चुकी हैं। आल्ट एंटरटेनमेंट का कुछ अता पता नहीं है। उसका एप भी गुम हो चुका है। दिबाकर बनर्जी तमाम बड़े बड़े सितारों को निर्देशित करके फिर वहीं आ चुके हैं जहां वह 'खोसला का घोसला' और 'ओए लकी ओए लकी' के बाद थे। 'लव सेक्स और धोखा 2' में तीन अलग अलग कहानियां हैं। लव का मतलब उन्होंने लाइक कर दिया है। सेक्स अब शेयर है। और, धोखा है डाउनलोड।

तीन कहानियां, तीनों में बेइमानियां

'लव सेक्स और धोखा 2' की पहली कहानी एक रियलिटी शो में एक ट्रांसजेंडर की टीआरपी बढ़ाने के किस्सों की है। दूसरी कहानी मेट्रो के लिए सेवाएं प्रदान करने वाली एक एजेंसी में काम करने वाली एक और ट्रांसजेंडर, उसके आशिक और उसकी बॉस की है। और, तीसरी कहानी में आकर वर्चुअल रियलिटी और इसके मूल किरदार के कपड़े उतर जाते हैं। अनजाने चेहरों पर दांव लगाने की दिबाकर बनर्जी की ये मजबूरी है। ऐसा नहीं कि नए लोगों को मौका देने के लिए ऐसा कर रहे हैं। दिग्गज सितारों के दांव उनके सब खाली जा चुके हैं। तो, फिर से वह उसी 'गंध' में उतरे हैं, जहां से उनकी उड़ान ने महत्वाकांक्षी टेकऑफ किया था। कहानियां अतरंगी हैं। इसके कलाकार बहुरंगी हैं। अनु मलिक, सोफी चौधरी, मौनी रॉय, तुषार कपूर से लेकर स्वरूपा घोष तक हैं।

कल्ट मूवीज का ऑकल्ट सिनेमा

बाकी कलाकारों को फिल्म 'लव सेक्स और धोखा 2' में देखना चुनौती भी है और दिमाग को ये समझाना भी कि अगर वाकई न्यू मिलेनियल्स की दुनिया अब ऐसी है तो फिर कल्ट मूवीज के इंस्टाग्राम पेज के फॉलोअर्स कोई साढ़े पांच हजार पर ही क्यों अटके हैं? बतौर निर्देशक दिबाकर की दाद इसलिए दी जा सकती है कि उन्होंने कुछ ऐसा बनाने की कोशिश की, जो उनकी बाकी फिल्में देख चुका एक भी दर्शक सोच भी नहीं सकता। विक्षोभ वाला सिनेमा तो है ये। लेकिन, क्या दर्शक सिनेमाघरों की टिकट खरीदकर अपने दिमाग पर इतना जोर डालने के लिए फिल्म देखने आते हैं? विद्या बालन हों तो वह 'डर्टी पिक्चर' तो देखने आ जाते हैं लेकिन 'दो बारा' या 'लव सेक्स और धोखा 2' के लिए चैलेंज बहुत बड़े हैं।

सिनेमा का ऊर्ध्वाधर प्रयोग

ध्यान देने वाली बात है कि सिनेमा का क्षैतिज प्रयोग 'लव सेक्स और धोखा' बनाते समय दिबाकर दो फिल्म पुराने हिट निर्देशक थे। अब सिनेमा के ऊर्ध्वाधर प्रयोग 'लव सेक्स और धोखा 2' तक आते आते वह 'संदीप और पिंकी फरार', 'डिटेक्टिव ब्योमकेश बख्शी' और 'शंघाई' जैसी फ्लॉप फिल्मों के निर्देशक बन चुके हैं। ऐसे में फिल्म 'लव सेक्स और धोखा 2' को देखने कितने दर्शक सिनेमाघरों में आएंगे, ये बात नेटफ्लिक्स भी समझ सकता है। समझा ये भी जा सकता है कि क्या ये फिल्म नेटफ्लिक्स के एलजीबीटीक्यू फंड से बनी है? और, ये भी कि क्या एकता कपूर की फिल्मों के नेटफ्लिक्स से बनते रिश्तों में उनकी पूर्व कर्मचारी रुचिका कपूर की भी अतिरिक्त दिलचस्पी रहती है क्योंकि अब वह नेटफ्लिक्स की शीर्ष अधिकारियों में शामिल हैं।

सकीना को पसंद आया तारा सिंह का नया लुक, तस्वीर पर किया यह शानदार कमेंट

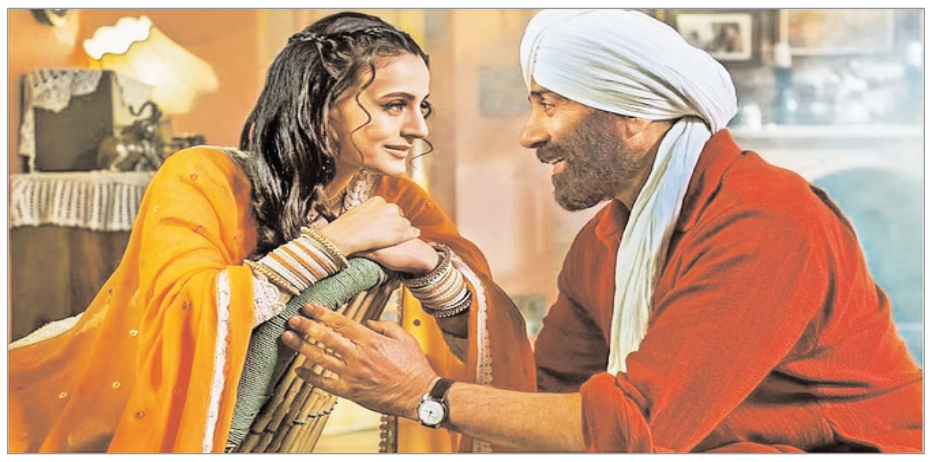

सनी देओल और अमीषा पटेल की जोड़ी फिल्म गदर में खूब हिट रही है। असल जिंदगी में भी दोनों सितारे काफी अछे दोस्त हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर दोनों एक-दूसरे के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते नजर आते हैं। ऐसा ही कुछ एक बार हाल ही में देखने को मिला। दरअसल, सनी देओल ने सोशल मीडिया पर अपनी एक ताजा तस्वीर साझा की है। इस पर अमीषा पटेल के कमेंट ने यूजर्स का सबसे यादा ध्यान खींचा है। अभिनेता सनी देओल सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। अक्सर वह अपने प्रशंसकों के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते दिखते हैं। उन्होंने अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इसमें वह डेनिम शर्ट पहने दिख रहे हैं। इस पर अभिनेता के प्रशंसकों ने कमेंट की झड़ी लगा दी। कई बॉलीवुड सितारों ने भी प्रतिक्रिया दी। वहीं, अमीषा पटेल का कमेंट सबसे खास लगा। अभिनेत्री ने सनी देओल की तारीफ में लिखा, सबसे शानदार, सबसे हैंडसम। सनी देओल के इस फोटो पर यूजर्स के काफी मजेदार कमेंट आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, भारत की शान, पाकिस्तान का दामाद। एक अन्य यूजर ने लिखा, आपकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार है हमें। एक अन्य यूजर ने लिखा, जोरदार सर जी। सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म गदर 2001 में रिलीज हुई थी। इसमें सनी देओल तारा सिंह की भूमिका में दिखे। वहीं, सकीना के किरदार में अमीषा पटेल नजर आईं। गदर बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। इस फिल्म के करीब दो दशक बाद बीते वर्ष इसका सीक्वल गदर 2 आया। यह फिल्म और यादा पसंद की गई। सनी देओल के वर्क फ्रंट की बात करें तो फिलहाल वह अपनी आगामी फिल्म लाहौर 1947 में व्यस्त हैं। इसमें उनके साथ अभिनेत्री प्रीति जिंटा भी नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सनी देओल अब फिल्मों के अलावा ओटीटी पर भी डेब्यू का मन बना रहे हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि वह ओटीटी के लायक किसी अछे कंटेंट की तलाश में हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि ओटीटी शो के लिए उनकी बातचीत चल रही है।

हनीमून फ्लाइट में ऐश्वर्या को हुआ था शादी का अहसास, एयर होस्टेस ने कहा था यह

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन ने साल 2007 में शादी की थी। उस वक्त इस शादी की खूब चर्चा हुई थी। कई दिनों तक यह जोड़ी सुर्खियों में रही थी। मालूम हो कि ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की शादी को 17 साल पूरे होने जा रहे हैं। इस खास मौके पर हम ऐश्वर्या राय बच्चन से जुड़ी दिलचस्प बातें बताने जा रहे हैं।

जब एयर होस्टेस ने ऐश्वर्या को कहा- मिसेज बच्चन

जब शादी के बाद ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन बोरा बोरा में हनीमून मनाने के लिए गए थे तो एक गजब का वाकया हुआ था। ऐश्वर्या ने खुद एक पुराने साक्षात्कार में इसके बारे में बताया था। दोनों फ्लाइट से यात्रा कर रहे थे तभी अचानक एयर होस्टेस ऐश्वर्या राय के पास आई और उन्हें मिसेज बच्चन कहकर बुलाया। यह सुनते ही अभिषेक और ऐश्वर्या ने तुरंत एक-दूसरे को देखा और दोनों जोर से हंस पड़े। ऐश्वर्या ने बताया था कि मिसेज बच्चन सुनकर उन्हें अचानक महसूस हुआ था कि उनकी शादी हो गई है।

धूम 2 की शूटिंग के दौरान हुआ था प्यार

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन ने एक साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। इनमें धूम 2, रावण, कुछ ना कहो, ढाई अक्षर प्रेम के, गुरु और उमराव जान शामिल है। अभिषेक बच्चन को धूम 2 की शूटिंग के दौरान ऐश्वर्या राय बच्चन से इश्क हुआ था। इसके बाद दोनों ने शादी रचाई थी। काम के सिलसिले में ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की पहली मुलाकात साल 1999 में हुई थी। उस वक्त दोनों फिल्म ढाई अक्षर प्रेम के के एक फोटो शूट के लिए मिले थे। कुछ साल बाद जब दोनों ने एक के बाद एक कई फिल्मों में काम करना शुरु किया तो उनके बीच नजदीकियां भी बढ़ने लगी थी।

मुन्ना भाई एमबीबीएस में सर्किट से पहले यह था अरशद वारसी के किरदार का नाम, सुनकर आ जाएगी हंसी

बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी सर्किट के नाम से जाने जाते हैं। उनके द्वारा फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस में निभाया गया यह किरदार काफी यादगार है। दर्शकों ने इस किरदार को खूब पसंद किया था।

यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई थी और लोग आज तक अरशद के इस किरदार को भूले नहीं है। हाल ही में, अरशद वारसी ने खुद इस किरदार के बनने के पीछे की कहानी बताई है।

खुजली था किरदार का नाम

अरशद वारसी ने एक साक्षात्कार में बताया कि उनके इस किरदार का नाम पहले सर्किट नहीं, बल्कि खुजली था। उसके कपड़े और हरकतें काफी यादा अलग तरह की थी। उन्होंने कहा, नाम सुनते ही आपको लगता है, ये सिर्फ खुजाता रहेगा। उससे यादा क्या ही करेगा, तो वह पूरा पैकेज खराब हो जाता है।

हिरानी को अरशद के सेंस ऑफ ह्यूमर के बारे में नहीं पता था

अरशद वारसी ने सर्किट के किरदार पर काफी मेहनत की थी। अरशद ने बताया कि उन्होंने फिल्म के निर्देशक राजकुमार हिरानी से किरदार का नाम बदलने को कहा था। इसके अलावा उसके कपड़ों में भी बदलाव करने की बात कही थी। उन्होंने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान तक राजकुमार हिरानी उनके सेंस ऑफ ह्यूमर के बारे में नहीं जानते थे। उन्होंने दिलचस्प बात बताते हुए कहा कि फिल्म के कुछ-कुछ सीन तो ऐसे थे, जिनमें सब कुछ अरशद ने ही किया था। फिल्म के दृश्यों में जान डालने के लिए उन्होंने काफी काम किया था।

सहारनपुर, देवबंद के दून वैली स्कूल में पैरेन्टस ओरियेन्टेशन कार्यशाला का हुआ आयोजन

इस अवसर पर तिलक लगाकर व पुष्प गु'छ प्रदान कर मुख्य अतिथि प्रधानाचार्या सीमा शर्मा का अभिनन्दन किया गया

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

देवबंद । सहारनपुर, दून वैली पब्लिक स्कूल देवबंद में आज पैरेन्टस के लिए स्कूल से मिलने वाली सुविधाओं, स्कूल के नियमों तथा कार्य शैली को समझाने हेतु पैरेन्टस ओरियेन्टेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा शर्मा, क्वालिटी हैड अर्चना शर्मा व ब्रांच हैड श्रीमती तनुज कपिल ने माँ सरस्वती के चरणों में पुष्प समर्पित कर एवं द्वीप प्रवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर तिलक लगाकर व पुष्प गु'छ प्रदान कर मुख्य अतिथि प्रधानाचार्या सीमा शर्मा का अभिनन्दन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उन्होनें अपने उद्बोधन में स्कूल के शैक्षिक, सांस्कृतिक, व्यवहारिक कार्यशैली को विस्तार से बताया तथा विद्यार्थियों के शैक्षिक व मानसिक स्तर को ऊँचा उठाने के लिए एन.ई.पी. माध्यम के लाभों से पैरेन्टस को अवगत कराया। विद्यालय के शैक्षिक स्तर के साथ विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों को हासिल कर रहे छात्र-छात्राओं के बारे मे बताते हुए स्कूल द्वारा विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं की ओर अभिभावकों का ध्यान आकृष्ट किया तथा उन्हें अपने ब'चों में इन गुणों का समावेश करने के गुर भी सिखाए। क्वालिटी हैड अर्चना शर्मा व ब्रांच हैड श्रीमती तनुज कपिल ने विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न स्तरों पर स्कूल में किस सम्बन्धित अधिकारी से संपर्क करना चाहिए तथा स्कूल के शैक्षिक वातावरण एवं नियमों के बारे विस्तार से समझाया। साथ ही शहर के प्रतिष्ठित और जागरूक अभिभावकों के प्रश्नों के उत्तर भी सरल तरीके से देकर उन्हें सन्तुष्ट किया गया।

खरगोन के भीकनगांव में उत्साह के साथ निकली शोभायात्रा

पंजाबी आखडे व चलिये हनुमान रहे आकर्षक का केंद

पियूष अग्रवाल । सिटी चीफ

खरगोन, भीकनगांव श्रीराम जन्मोत्सव पर जय सियाराम ग्रुप ने भोला चौक से श्रीराम मंदिर तक शोभायात्रा निकाली। शाम 5 बजे बाबा भूतेश्वर के पूजन व के बाद शुरू हुई यात्रा में प्र में प्रभु आरती श्रीराम की 21 फीट ऊंची मूर्ति की झांकी, दिलेर खालसा ग्रुप लुधियाना का पंजाबी अखाड़ा, महाकाल के भस्म रमैय्या ढोल, चलित हनुमान की झांकी व उ'जैन की आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रही। नगर के 2 बैंड व करीब 2 दर्जन ढोल-तासे शामिल थे। यात्रा भोला चौक से खत्री मार्केट, गणेश मंदिर, सोनी कॉलोनी, बस स्टैंड, कालका माता मंदिर, सिनेमा चौक, झिरन्या रोड, बड़ा चौराहा, छोटा चौराहा, खेड़ापति हनुमान मंदिर होकर रात करीब 11 बजे प्राचीन श्रीराम मंदिर पहुंची। यहां आरती के बाद महाप्रसादी का वितरण हुआ भगवा ध्वज हाथ में लेकर श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के भजनों की धुन पर नाचते-गाते चल रहे थे।

15 से अधिक सेवा स्टाल व स्वागत मंच

भीकनगांव शोभायात्रा में सेवा एवं स्वागत में दिख ज'ब सरदार रावत मित्र मंडल 201 लीटर शरबत, नकुल कापसे मित्र मंडल 201 लीटर बुदी रायता, अमर पाटील व सुनील सिसोदिया मित्र मंडल 1000 लीटर रसन, मेन रोड गणेश 'यूस सेंटर 2000 पानी बाटल निर्मल अग्रवाल परिवार व नागराज समिति भीकनगांव बस स्टेड ×01 किलो खिचड़ी, विधायक झुमा सोलंकी विठ्ठल मंदिर पर 201 लीटर रसना रामस्वरुप चंपालाल अग्रवाल परिवार झिरन्या रोड़ 10 हजार लीटर रसना, मुरारीलालजी अग्रवाल परिवार 501 किलो पोहा झिरन्या रोड़ मि'जद के पास 501 लीटर केरी पना खेड़ापति सरकार मंदिर पर 1000 लीटर रसना राम मंदिर पुड़ी सब्जी प्रसादी सहित अन्य जगह पर स्वागत मंच व स्टाल रहेगा।

यह रहे यात्रा में शामिल खंडवा के महादेव गढ़ के संरक्षक अशोक पालीवाल, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक झूमा सोलंकी व जपं अध्यक्ष सरदार रावत भी शामिल हुए।

व्यापारी से लाखों रुपये की लूट कर यूपी में आए बदमाश को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

बदमाश का साथी मौका पाकर हुआ फरार, पुलिस ने उसके कब्जे से लूटी गई रकम की बरामद

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

देवबंद, उत्तराखंड में व्यापारी से लाखों रुपये की लूट कर यूपी में आए बदमाश को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि उसका साथी मौका पाकर फरार हो गया। पुलिस ने उसके कब्जे से लूटी गई रकम भी बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस मंगलौर मार्ग पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मंगलौर (उत्तराखंड) की ओर से आ रही एक्टिवा पर सवार दो युवकों को रुकने का इशारा किया तो उन्होंने पुलिस को देखते ही फायर कर दिया। जिसमें कई पुलिसकर्मी बाल-बाल बचे। पुलिस ने कुछ दूरी पर घेरते हुए एक बदमाश को दबोच लिया। जबकि दूसरा फरार हो गया। इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश देवबंद की कमला विहार कॉलोनी निवासी उत्तम कुमार पुत्र मधुसूदन त्यागी है। जबकि उसका फरार साथी उर्दू गेट निवासी उस्मान पुत्र इनाम है। पुलिस ने उनके कब्जे से 2 लाख ×0 हजारकी नकदी, एक तमंचा, दो जोड़ी कपड़े व मास्क और ×9 छोटी-बड़ी चाबियां बरामद की हैं। बदमाश ने पूछताछ में बताया कि बरामद नकदी 16 अप्रैल को उसने साथी उस्मान के साथ मिलकर जनपद हरिद्वार के सिडकुल रोशनपुरी वाली गली से एक व्यापारी से तमंचा दिखाकर लूटी थी। उत्तराखंड पुलिस से बचकर वह यहां तक पहुंचे थे। इंस्पेक्टर ने बताया कि बदमाश को रिपोर्ट दर्ज करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का प्लान किया तैयार

शुक्रवार को मतदान वाले दिन चप्पे-चप्पे पर पुलिस और अर्ध सैनिक बलों के जवान रहेंगे तैनात

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर, लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का प्लान तैयार कर लिया है। कल शुक्रवार को मतदान वाले दिन चप्पे-चप्पे पर पुलिस और अर्ध सैनिक बलों के जवान तैनात रहेंगे। इसके तहत 40 कंपनी अर्धसैनिक बल, आठ कंपनी पीएसी, ×10 निरीक्षक, 1260 उपनिरीक्षक, 10 हजार कांस्टेबल, तीन हजार से अधिक होमगार्ड मुस्तैद रहेंगे। संवदेनशील इलाकों में ×6 ड्रोन कैमरों से भी नजर रखी जाएगी।दरअसल, चुनाव को लेकर पुलिस- प्रशासन पूरी तरह सतर्कता बरत रहा है। 19 अप्रैल को मतदान होगा जिसमें जिले भर में 17 हजार से अधिक जवान तैनात रहेंगे। पुलिस लाइन सभागार में प्रेक्षक संकेत एस भोंडवे ने बैठक में सुरक्षा व्यवस्था और मतदान केंद्रों को लेकर समीक्षा की। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि पुलिस और अर्ध सैनिक बलों के जवान भी मतदान केंद्रों पर आज पहुंचना शुरू हो गए। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने कहा कि शरारती तत्वों को चिह्नित कर लिया गया है। उन्होंने अब तक अपराधियों पर की गई कार्रवाई के बारे में विस्तार से जानकारी दी। एसएसपी ने कहा कि 450 संवदेनशील मतदान केंद्र और ×75 इलाके चिन्हित किए गए हैं। यहां पर ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी से नजर रखी जाएगी।

सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार करने वाले 1×00 अकाउंट पुलिस ने बंद करा दिए हैं। सोशल मीडिया सेल ने 200 से अधिक ऐसे लोगों को चिन्हित कर लिया हैं, जिनके खिलाफ एसएसपी ने रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए। इनमें कई अकाउंट ऐसे भी थे, जो फर्जी बनाए गए थे। फर्जी अकाउंट बनाने वालों की भी पहचान की जा रही है।

श्री परशुराम जन्मोत्सव के लिए घर-घर जाकर दे रहे आमंत्रण

10 मई को शोभायात्रा और नौ मई को निकलेगी वाहन रैली

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ

शाजापुर, सर्वब्राह्मण समाज द्वारा श्री परशुराम जन्मोत्सव आयोजन को लेकर ब्राह्मण समाजजनों को घर-घर जाकर आमंत्रण दिए जा रहे हैं। गुरुवार से घर-घर आमंत्रण अभियान की शुरुआत की गई है।

शाजापुर में सर्वब्राह्मण समाज के 1200 से अधिक घर हैं। समाजजन इन सभी घरों तक पहुंचकर आमंत्रण देंगे और श्री परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह समाजजनों से करेंगे। आयोजन को लेकर सर्व ब्राह्मण समाजजन द्वारा कई दिनों से तैयारी की जा रही हैं। समाजजनों में भी आयोजन को लेकर उत्साह है। समाजजनों द्वारा भी आयोजन के लिए बढ़-चढ़कर सहयोग किया जा रहा है। सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष दिलीप शर्मा और युवा इकाई अध्यक्ष भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि गुरुवार से आमंत्रण पत्र वितरण का कार्य प्रारंभ किया गया है। गुरुवार को हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आमंत्रण पत्र वितरित किए गए। इसी तरह शहर के सभी हिस्सों में समाजजनों को आमंत्रण पत्र बांटे जाएंगे। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा के एक दिन पहले 9 मई को शहर में वाहन रैली निकाली जाएगी। 10 मई को सुबह दुपाड़ा रोड स्थित चामुंडा टेकरी पर भगवान श्री परशुराम का अभिषेक पूजन अर्चन किया जाएगा। वहीं इसी दिन शाम को शोभायात्रा निकाली जाएगी। भगवान परशुराम मंदिर के गर्भगृह को भी विशेष रुप से सजाया जाएगा। शोभायात्रा और वाहन रैली के लिए पदाधिकारी मनोनित

भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव पर निकलने वाली शोभायात्रा को लेकर सर्व ब्राह्मण समाज की महिला शाखा की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से महिला शाखा की यात्रा संयोजक रेखा बिरथरे, उमा शर्मा व अलका शर्मा को मनोनीत किया गया है।वाहन यात्रा संयोजक अनुराधा मेहता एवं रितु पाराशर को मनोनीत किया गया।सर्व ब्राह्मण समाज शाजापुर के उपाध्यक्ष पद पर महेंद्र आचार्य एवं राजीव व्यास गुड़ारामजी को मनोनीत किया गया है। चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रूपनारायण शर्मा एवं विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आदित्य शर्मा को मनोनीत किया गया है। पुरुष शाखा में वाहन यात्रा प्रभारी जलज ठाकुर एवं प्रतीक शर्मा को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया।

तीसरे दिन भी 40 पार पहुंचा तापमान, तप रहे शहरवासी

रात में भी नहीं राहत, आगे भी बढ़ेगा तापमान

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ

शाजापुर, सूरज की तपन में लगातार वृद्धि हो रही है जिससे लोगों के पसीने छूट रहे हैं। मौसम विभाग की माने तो आगामी दिनों में भी तापमान में बढ़ोत्तरी होगी। वहीं मई के प्रथम सप्ताह से तापमान इससे भी अधिक बढ़ेगा।

हालांकि फिलहाल रात में चल रही हवाओं से लोगों को राहत मिल रही है। क्योंकि अभी गर्म हवाओं ने दस्तक नही दी है। आगामी दिनों में तापमान के साथ-साथ गर्म हवाएं भी शहरवासियों के लिए परेशानी बनेगी। जिससे रात में भी लोगों को गर्मी से जूझना पड़ सकता है। फिलहाल पिछले तीन दिनों से अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर बना हुआ है। तो रात का तापमान भी 22 डिग्री पर टिका हुआ है। जिसमें भी आगामी दिनों में बढ़ोत्तरी होने की संभावना है।

इस तरह बढ़ रहा तापमान

दिनांक	अधिकतम	न्यूनतम
12-04-24	××.09	20.06
1×-04-24	×5.01.	21.00
14-04-24	×6.0×	20.0×
15-04-24	×9.04	2×.02
16-04-24	40.02	22.02
17-04-24	40.01	22.01
18-04-24	40.04	22.0×

शाजापुर में मतदान दलों के लिए आज से शुरू होगा प्रथम प्रशिक्षण

संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने दी जानकारी

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिए नियुक्त किए गए मतदान दलों को 19 एवं 20 अप्रैल को निर्वाचन से संबंधित प्रथम प्रशिक्षण दिया जायेगा। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येन्द्रप्रसाद सिंह से प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 अप्रैल का प्रशिक्षण शाजापुर अनुविभाग के शासकीय सेवको के लिए स्थानीय इटरनल स्कूल ऑफ स्टडीज शाजापुर तथा कौटिल्य स्कूल एबी रोड शाजापुर में दो पालियों में प्रात: 11.00 बजे से दोपहर 2 बजे तक तथा दोपहर × बजे से शाम 6 बजे तक होगा। शुजालपुर अनुविभाग क्षेत्र के शासकीय सेवको के लिए 20 अप्रैल को शासकीय जेएनएस महाविद्यालय शुजालपुर में दो पालियों में प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक तथा दोपहर × बजे से शाम 6 बजे तक प्रशिक्षण होगा। इटरनल स्कूल ऑफ स्टडीज में प्रशिक्षण के लिए 15 मास्टर ट्रेनर्स तथा कौटिल्य स्कूल में 14 तथा शुजालपुर के शासकीय जेएनएस महाविद्यालय में प्रशिक्षण के लिए 20 मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त किये गये हैं।

किले पर ऐतिहासिक स्मारक संवरेंगे, पर्यटकों को मिलेंगी सुविधाएं

ग्वालियर। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत ग्वालियर में लगभग 70 करोड़ रुपए की राशि से विकास कार्य कराए जाने हैं। इसके पहले चरण में लगभग 17 करोड़ रुपए की लागत से फूलबाग क्षेत्र में विकास कार्य कराए जाएंगे, जिसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है और आचार संहिता के बाद विकास कार्य शुरू कराने के लिए टेंडर किए जाएंगे। इसी योजना के दूसरे चरण में ग्वालियर किले को भी शामिल किया गया है और अब इसकी डीपीआर पर भी काम शुरू कराया गया है। इसके अंतर्गत किले पर मौजूद ऐतिहासिक स्मारकों को संवारने के साथ ही पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।ग्वालियर दुर्ग पर कई ऐतिहासिक स्मारक मौजूद हैं। इनमें से कुछ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) और कुछ राज्य पुरातत्व एवं संग्रहालय के अंतर्गत आते हैं। इस योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा बजट उपलब्ध कराया जाता है, जबकि विकास कार्य राज्य के पर्यटन विभाग द्वारा कराए जाएंगे। ऐसे में इन स्मारकों को संवारने की दिशा में भी काम किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत उरवाई गेट के क्षेत्र को शामिल किया जाएगा। उरवाई गेट से प्रवेश करते समय बाएं हाथ पर पूर्व में नगर निगम ने पार्क तैयार किया था। यहां और सुंदरीकरण की संभावनाएं देखी जाएंगी। इसके अलावा मानसिंह पैलेस, गूजरी महल, सहस्त्रबाहु मंदिर सहित अन्य स्थानों पर भी पर्यटन सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में काम किया जाएगा। जहां-जहां संरक्षित स्मारकों से अलग शासकीय जमीन होगी, वहां-वहां शौचालयों से लेकर कैफेटेरिया सहित अन्य सुविधाएं देने की योजना बनाई गई है।

रामनवमी के शुभ अवसर पर श्री राम सेवा समिति,भाजपा कछवा मंडल , एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में श्री राम शोभायात्रा निकाला गया

मिर्घापुर-- भारतीय जनता पार्टी मंडल कछवां में श्री रामनवमी के शुभ अवसर पर श्री राम सेवा समिति,भाजपा कछवा मंडल , एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में श्री राम शोभायात्रा निकाला गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा जिला कार्यालय मंत्री/मंडल प्रभारी भाजपा कछवां बड़े भाई श्री शिवशरण सिंह जी , भाजपा कछवां मंडल अध्यक्ष श्री राजन केशरी, भाजपा कछवां मंडल उपाध्यक्ष श्री संजय कुमार सिंह जी,श्री राम शोभायात्रा के मुख्य आयोजक एवं मण्डल अध्यक्ष युवा मोर्चा डॉक्टर श्री तरुण राय जी एवं बजरंग दल नगर संयोजक श्री गणेश गुप्ता जी, मझवां विधानसभा अध्यक्ष वैश्य समाज उत्तर प्रदेश/पुर्व नामित सभासद बृजेश कुमार गुप्ता,भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य श्री अजय कुमार उपाध्याय जी,भाजपा विधानसभा मझवां के मीडिया प्रभारी श्री पवन उपाध्याय जी,?श्रीपृथवी नाथ तिवारी जी भाजपा कछवां मंडल महामंत्री रतन कुमार सिंह, श्री जितेन्द्र गुप्ता जी, सभासद श्री अवनीश तिवारी जी, श्री संतोष केशरी जी, श्री संतेश सिंह जी, श्री राम आसरे सिंह जी, श्री संकेत सिंह जी, श्री ताड़क नाथ भारतीय जी, श्री हेमन्त सिंह जी,श्री गोपाल सिंह जी,श्री गया सिंह जी,श्री दीपक गुप्ता जी उर्फ सेरू,उपस्थित रहे

लोकसभा आम निर्वाचन-2024

स्थैतिक निगरानी दल मुस्तैद, कर रहा है जांच

बुरहानपुर-कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशानुसार स्थैतिक निगरानी दल अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत मुस्तैद है। चेकपोस्टों पर वाहनों की जांच की जा रही है। विदित है कि, लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंतर्गत स्थैतिक निगरानी दल मुख्य मार्गों, जिले एवं राज्य की सीमाओं पर जांच चौकी बनाकर अपने-अपने क्षेत्र में सख्त जांच एवं आवश्यक कार्यवाही कर रहा है।जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र-179 नेपानगर अंतर्गत असीरगढ़ थाना निम्बोला, जैनाबाद एवं निकटवर्ती समस्त क्षेत्र थाना शाहपुर, ग्राम शेखापुर थाना खकनार क्षेत्र, ग्राम बाकड़ी थाना नेपानगर तथा ग्राम दवाटिया (कमलखेडा फाटा) वहीं विधानसभा क्षेत्र-180 बुरहानपुर अंतर्गत लोनी आरटीओ बैरियर थाना लालबाग, अंतुर्ली एवं नाचनखेड़ा बादखेडा फाटा शाहपुर तथा भोटा फाटा ईच्छापुर थाना शाहपुर अंतर्गत कड़ी निगरानी के साथ अधिकारी व कर्मचारीगण तैनात है।

इंदौर में तुवर दाल और महंगी, चने के दाम भी उछले, गेहूं के दामों में मजबूती

इंदौर। रामनवमी पर बुधवार को इंदौर मंडी बंद थी। इसी दिन शाम को दिल्ली व अन्य बाजारों से तुवर में तेजी की सूचनाएं पहुंची। गुरुवार को जब मंडी में कामकाज शुरू हुआ तो तुवर की कीमत में 200 रुपये तेजी देखी गई। इसके असर से तुवर दाल के दाम भी 200 रुपये क्विंटल और बढ़ा दिए गए।दरअसल, तुवर में मिलर्स की पूछपरख धीरे-धीरे फिर बढ़ने लगी है। दूसरी ओर आयातकों की बिकवाली कमजोर पड़ने और घरेलू मांग का दबाव बढ़ने से चेन्नई तुवर लेमन काफी ऊंची बोली जा रही है। इसी का असर प्रदेश की कई मंडियों पर देखा गया। घटे भावों पर स्टाकिस्ट व किसान तुवर की बिकवाली के इच्छुक नहीं है। मंडियों में तुवर की अवाक भी बेहद कमजोर होने के साथ ही तुवर का स्टाक भी काफी घट गया है। स्थितियां देखते हुए आगे तुवर की कीमतों में गिरावट की संभावना कम हैं। इंदौर में तुवर महाराष्ट्र सफेद बढ़कर 11500-11700, कर्नाटक 11600-11800, निमाड़ी तुवर 9800- 11200 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। साथ ही उड़द दाल में उपभोक्ता मांग का दबाव बढ़ने के कारण कीमतों में तेजी दर्ज की गई। उड़द दाल के भाव 100 रुपये ऊंचे बोले गए। इधर, राजस्थान में चना की खरीद बढ़ाने हेतु पंजीयन समय सीमा को बढ़ा दिया गया है। इस साल केंद्र ने राजस्थान को चना खरीदी के लिए 4.52 लाख टन लक्ष्य दिया। चने के दाम एमएसपी से ऊंचे होने के कारण किसानों ने कम मात्रा में पंजीकरण किया है। ऐसे में राजस्थान सरकार को खरीदी लक्ष्य हासिल होना मुश्किल है। इंदौर में मिलर्स की चने में लेवाली अच्छी रहने से भाव पुनः मजबूत बोले गए। चना कांटा 6300-6350 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। वहीं मसूर और मसूर दाल में अपेक्षित ग्राहकी नहीं होने से भाव में गिरावट रही। मसूर घटकर 6000-6025 रुपये रह गई। कंटेनर में डालर चना बढ़कर 40/42 12300, 42/44 12000, 44/46 11700, 58/60 10000, 60/62 9900, 62/64 9800 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।

गेहूं के दामों में मजबूती इंदौर मंडी में गेहूं की आवक सीमित है जबकि दामों में मजबूती देखी जा रही है। गेहूं की आवक छावनी मंडी में कुल 5000 बोरी व लक्ष्मीबाई मंडी मिलाकर 15 हजार बोरी से ज्यादा नहीं है। मिल क्वालिटी गेहूं 2475 से 2500, पूर्णा 2850-2900, लोकवन 3000 से 3100 और मालवराज 2525 से 2550 रुपये क्विंटल बिका।

दलहन के भाव - चना कांटा 6300-6350, विशाल 6000-6150, डंकी चना 5500-5800, मसूर 6000-6025, तुवर महाराष्ट्र सफेद 11500-11700, कर्नाटक 11600-11800, निमाड़ी तुवर 9800-11200, मूंग 9000-9200, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9200, मीडियम 7000- 8000, हल्की उड़द 3000-5000 रुपये क्विंटल।

दालों के भाव - चना दाल 8000-8100, मीडियम 8200-8300, बेस्ट 8400-8500, मसूर दाल 7200-7300, बेस्ट 7400-7500, मूंग दाल 10550-10650, बेस्ट 10750-10850, मूंग मोगर 11450-11550, बेस्ट 11650-11750, तुवर दाल 14200- 14300, मीडियम 15200-15300, बेस्ट 16200-16300, ए. बेस्ट 17100-17200, पैकिंग तुवर दाल नई 17300, उड़द दाल 14300-11500, बेस्ट 11600-11700, उड़द मोगर 11900-12000, बेस्ट 12100-12200 रुपये प्रति क्विंटल ।।

इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-12500, तिबार 10000-11000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9500, मिनी दुबार 7500-8500, मोगरा 4500-7000, बासमती सेला 7000-9500, कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल

कांग्रेस नेताओं की घर वापसी पर आतिश बाजी कर मनाया जश्न-पार्षद दल ने किया जोरदार स्वागत

बुरहानपुर में कांग्रेस नेताओं के निष्कासन रद्द होने पर पार्षद दल ने पूर्व प्रदेश कांग्रेस महासचिव अजय रघुवंशी, अकील आज़ाद,नूर काज़ी, उबेद शेख,अब्दुल्ला अंसारी,हामिद डायमंड का आज बुरहानपुर में कोंग्रेस पार्षद दल ने आतिश बाजी ओर ढोल तासो के साथ जोरदार स्वागत किया।पूर्व कांग्रेस प्रदेश महासचिव अजय रघुवंशी कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से एक जुट होकर जनता के बीच जाएंगे देश के लोकतंत्र को बचाना है हम सब धर्म निरपेक्ष ताकतों के साथ मिलकर देश को सांप्रदायिक ताकतों से बचने, झुटो बईमानों से मुक्त करने के सकल्प के साथ मैदान में उतर कर INDI गठबंधन की सरकार देश मे बनाएंगे।कांग्रेस नेता अरुण यादव द्वारा किये गए विकास कार्यो को लेकर जनता के बीच जायेगे जिन्होंने बुरहानपुर जिले में ताप्ती मिल,नेपा मिल को चालू करवाकर क्षेत्र की जनता को रोजगार दिलाने के साथ साथ विकास के अनेकों कार्य किया। स्वागत कार्यक्रम में कांग्रेस पार्षद गन अजय उदासीन ,इनाम अंसारी, आसिफ शेख के साथ ही इकराम अंसारी,मोइन अंसारी,दिनेश शर्मा,हेमंत पाटिल,मुशर्रफ़ खान, मोहम्मद शहजान, नजीर अंसारी,कमललेश शाह, जयपाल नवानी, श्याम बन्नतवाला अनीस अंसारी, उजैर अंसारी सहित सेकड़ो कार्यकर्ताओं नेताओ ने जश्न मना कर अपने नेताओं का पुष्प मालाओं से स्वागत किया।

लोकसभा निर्वाचन हेतु बनाए गए स्थैतिक निगरानी दल (एसएसटी)में लगे प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों की पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा ली गई बैठक

जिले में तैनात सभी 08 स्थैतिक निगरानी दल आज दिनांक से सक्रिय हो गए है। बैठक में एसएसटी में तैनात अधिकारियों को उनकी ड्यूटी एवं की जाने वाली कार्यवाहियों के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए।

बुरहानपुर निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा निर्वाचन 2024 के सुचारू संचालन एवं निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों एवं राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले निर्वाचन व्यय से संबंधित निगरानी हेतु स्थैतिक निगरानी दल (स्स्ञ) का गठन किया गया है। एसएसटी टीमें आज दिनांक से चैकिंग की कार्यवाही हेतु सक्रिय हो गई है। जिले में 8 एसएसटी टीमें तैनात की गई है। जिले में नेपानगर विधानसभा क्षेत्र 179 में पांच (1) असीरगढ़ (2) जैनाबाद (3) ग्राम शेखपुरा (4) ग्राम बाकड़ी (5) ग्राम दवाटीया (कमलखेड़ा फाटा) तथा बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र 180 में तीन (1) लोनी आरटीओ बैरियर (2)अंतुर्ली एवं नाचनखेड़ा बादखेड़ा फाटा (3) भोटा फाटा इच्छापुर पर स्स्ञ तैनात की गई हैं। ये एसएसटी टीमें मुख्य मार्गो, जिले एवं राज्य की सीमा पर जांच चौकी बनाएंगे तथा अपने क्षेत्र में अवैध शराब, बड़ी मात्रा में नगदी, अस्त्र-शस्त्र, समाज विरोधी तत्वों की आवाजाही पर नजर रखेंगे। आज पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा एसपी ऑफिस मीटिंग हॉल में एसएसटी में लगे प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों की बैठक ली गई जिसमें पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा एसएसटी द्वारा किए जाने वाली कार्यवाहियों के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए। एसएसटी टीम द्वारा सभी पॉइंट्स पर प्रभावी चैकिंग की कार्यवाही की जाए, चैकिंग में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए, आने-जाने वाले वाहनों की सघन चैकिंग की जावे, पचास हज़ार या उससे अधिक नकदी मिलने पर जप्ती की कार्यवाही की जाए, जांच के दौरान चैकिंग एवं जपती के पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी की जाए, जांच के दौरान अधिकारियों द्वारा आमजन से विनम्र, शालीन एवं शिष्ट आचरण किया जाए, हर दिन की कार्यवाही का रजिस्टर मेंटेन किया जाए, अवैध शराब, मादक पदार्थ, अस्त्र शस्त्र इत्यादि मिलने पर संबंधित थाने में एफआईआर कर कार्यवाही करवाई जाए, चैकिंग के दौरान दस लाख से अधिक नकदी मिलने पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को सूचित कर उनके साथ कार्यवाही की जाए, निगरानी दल में लगे स्टॉफ द्वारा मुस्तेदी से ड्यूटी करने आदि के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अंतर सिंह कनेश ने अधिकारियों को उनकी ड्यूटी एवं आवश्यक सावधानियां बताई। बैठक में एसएसटी में लगे पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के शतप्रतिशत दिव्यांग मतदाता 13 मई को मतदान करें-श्री जैन
नीमच में निकली दिव्यांगजनों की मतदाता जागरूकता रैली

***नीमच** , जिले के शतप्रतिशत दिव्यांग मतदाता 13 मई को मतदान अवश्य करें। लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी को अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करना चाहिए। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए कपडे की थैली का उपयोग करें। यह बात कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने गुरूवार को नीमच में दिव्यांगजनों की मतदाता जागरूकता रैली के समापन अवसर पर कही। कलेक्टर श्री जैन ने उपस्थित दिव्यांगजनों को मतदान करने की शपथ दिलाई और मूकबधिर दिव्यांगजनों से सांकेतिक भाषा में मतदान करने की अपील की। कलेक्टर श्री जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने दिव्यांगजनों को मतदान करने की शपथ दिलाई और कपडे की थैली का वितरण भी किया। प्रारंभ में लाइन्स पार्क से दिव्यांगजनों की मतदाता जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण रैली प्रारंभ हुई जो मतदान का संदेश देते हुए शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए फोर जीरो चौराहे पर समाप्त हुई। यहां आयोजित मतदान के संकल्प के हस्ताक्षर अभियान के तहत कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ एवं अन्य अधिकारियों ने दिव्यांगजनों के साथ हस्ताक्षर कर, शतप्रतिशत मतदान का संकल्प लिया। इस मौके पर एसडीएम डॉ.ममता खेडे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती किरण आंजना, श्री चंद्रसिह धार्वे, सुश्री मयूरी जोक, एवं अन्य अधिकारी, रेडक्रास, सामाजिक न्याय विभाग के कर्मचारी तथा जिले के दिव्यांगजन उपस्थित थे।*

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति 2022-23 के लंबित आवेदनों के लिए पोर्टल 30 अप्रेल तक आरंभ

***नीमच** , अनुसूचित जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले में संचालित शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए ऐसे विद्यार्थी जो वर्ष 2022-23 में एनआईसी पोर्टल पर आवेदन नहीं कर पाये थे, उनके लिए एनआईसी पोर्टल 30 अप्रेल 2024 तक चालू रहेगा। अतः जिन विद्यार्थियों के आवेदन नहीं हो पाये है, 30 अप्रेल 2024 तक कराना सुनिश्चित करें। इसके पश्चात आवेदन नहीं होने पर तथा छात्रवृत्ति नहीं मिलने पर समस्त जवाबदारी संस्था की रहेगी।*

खेतों में नरवाई जलाने पर कलेक्टर ने लगाया प्रतिबंध धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

***नीमच** , कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री दिनेश जैन व्दारा दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत नरवाई जलाने पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। जारी आदेशानुसार नीमच जिले में रबी फसल की कटाई के पश्चात अगली फसल के लिए खेत तैयार करने हेतु बहुसंख्यक कृषकों द्वारा अपनी सुविधा के लिए खेत में आग लगाकर गेहूँ के डंठलों को जलाया जाता है, इसको नरवाई में आग लगाने की प्रथा के नाम से जाना जाता है नरवाई में आग लगाने के कारण विगत वर्षो में गंभीर स्वरुप की अग्नि दुर्घटनाएँ घटित हुई है, जिसके कारण मकानों में आग लगने से, समीप के खेतों में खड़ी फसल भी आग के कारण जलकर नष्ट हुई है। जिस कारण जन, धन एवं पशु हानि हुई है। साथ ही प्रशासन के लिए कानूनी व्यवस्थापन की स्थिति निर्मित हुई है, आग से उत्सर्जित होने वाली हानिकारक गैसों के कारण वायुमंडल एंव पर्यावरण प्रदुषित हुआ है, जिस कारण वायुमंडल में विद्यमान ओजोन परत भी प्रभावित हुई है और इस कारण पराबैंगनी हानिकारक किरणें पृथ्वी तक पहुंचती है, जो कि मानव, पशुओं के लिए रोगजन्य होती है। म.प्र.शासन पर्यावरण विभाग द्वारा वायु (प्रदुषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 की धारा 19 (1) के अन्तर्गत दिनांक 09 मार्च 1988 के माध्यम से अधिसूचना जारी कर वायु (प्रदुषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 के प्रावधानों के अनुपालन हेतु संपूर्ण मध्यप्रदेश को वायु प्रदुषण नियंत्रण हेतु अधिसूचित किया गया है। मध्यप्रदेश में वायु (प्रदुषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 की धारा 19 (5) के तहत नरवाई जलाना तत्समय से तत्काल प्रतिबंधित किया गया है, जो कि वर्तमान में निरंतर है। पर्यावरण विभाग द्वारा उक्त अधिसूचना अन्तर्गत नरवाई में आग लगाने वालों के विरुद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति हेतु निम्नानुसार दण्ड का प्रावधान किया गया है। 2 एकड तक के कृषकों को रुपयें 2500/- का अर्थदण्ड प्रतिदंड प्रति घटना, 2 से 5 एकड़ तक के कृषकों को रुपये 5000/- का अर्थदंड प्रति घटना, 5 एकड़ से बड़े कृषकों को रुपयें 15000/- का अर्थदंड प्रति घटना, आरोपित करने का प्रावधान किया गया है।*

बायो मेडिकल वेस्ट का प्रबंधन व्यवस्थित रूप से करें - कलेक्टर सुश्री मित्तल

जनपद पंचायत खकनार अंतर्गत कलेक्टर ने विभिन्न क्षेत्रों का किया भ्रमण

बुरहानपुर-बायो मेडिकल वेस्ट का प्रबंधन व्यवस्थित रूप से किया जायें, यह निर्देश कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने नेपानगर हॉस्पिटल एवं सीवल स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि, बायो मेडिकल वेस्ट के संग्रहण एवं निपटान निर्धारित प्रक्रिया अनुसार किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने एनआरसी केन्द्र का भी अवलोकन किया। निर्देश दिये गये कि, पोषण पुनर्वास केन्द्र में उपलब्धता के अनुसार भर्ती सुनिश्चित रहें। जांच, दवाईयाँ सहित बेहतर सुविधाएँ दी जायें। कम वजन वाले बच्चों की जानकारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका को दी जायें, जिससे उनका प्रोपर फॉलोअप किया जा सके। मेडिकल अधिकारी को सेक्टरवार मीटिंग लेने के निर्देश दिये गये। उन्होंने दवाई वितरण कक्ष में पहुँचकर दवाओं की एक्सपायरी डेट की जांच भी की एवं संधारित रिकार्ड का परीक्षण किया। इसी कड़ी में कलेक्टर सुश्री मित्तल ने आईटीआई नेपानगर एवं नगर पालिका परिषद कार्यालय नेपानगर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आईटीआई नेपानगर प्राचार्य को निर्देश दिये कि, विद्यार्थियों के लिए प्रेक्टिकल गतिविधियों पर अधिक फोकस किया जाये। कम्प्यूटर में पायथन साफ्टवेयर इंस्टाल करवाने एवं एचटीएमएल कोडिंग सिखाने के निर्देश दिये गये। वहीं सिविल ट्रेड के विद्यार्थियों को, चल रहे निर्माणाधीन कार्यो का भ्रमण करवाने हेतु भी निर्देशित किया गया। नगर पालिका परिषद नेपानगर कार्यालय का अवलोकन करते हुए संधारित रिकार्ड की जानकारी ली गई। सीएमओ को निर्देश दिये गये की समस्त प्रकार की कर वसूली की राशि प्रति दिवस जमा करवाना सुनिश्चित करें। इसी श्रृंखला में कलेक्टर सुश्री मित्तल ने एसटी बालक आश्रम शाला, एससी बालक हॉस्टल सीवल का भी मौका-मुआयना किया। उन्होंने किचन गार्डन तैयार करने, खेल सामग्री पूर्ति के निर्देश दिये। निर्माणाधीन कार्यों का भी अवलोकन करते हुए जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम नेपानगर श्री अजमेर सिंह गौड़, जनपद पंचायत सीईओ श्रीमति वंदना कैथल, सीएमएचओ डॉ. सिसोदिया, सीएमओ श्री धीरेन्द्र सिंह सिकरवार सहित संबंधित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

आपराधिक तत्वों के विरुद्ध कलेक्टर श्री बाथम की बड़ी कार्रवाई

रतलाम / लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 निर्विघ्न, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराये जाने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री राजेश बाथम द्वारा आपराधिक तत्वों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। कलेक्टर द्वारा एक साथ 33 आरोपियों को जिला बदर कर दिया गया है।पुलिस अधीक्षक श्री राहुल लोढ़ा के प्रतिवेदन पर जिले में लोक शांति बनाए रखने, आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण, आपराधिक गतिविधियों को रोकने, हिंसक गतिविधियों को हतोत्साहित करने, क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत जिला दंडाधिकारी द्वारा आरोपियों को जिला बदर किया गया है।जिन आरोपियों को 6 माह के लिए जिला बदर किया गया है उनमें थाना औद्योगिक क्षेत्र रतलाम के दीपक उर्फ अंडा पिता नंदकिशोर चावला, महावीर पिता पीरुलाल निनामा, थाना माणक चौक रतलाम के ऋतिक खरे पिता सुनील खरे,गोविंद पिता किरण भाटी, संजय पिता फकीरचंद चौधरी थाना दीनदयाल नगर रतलाम के वैभव पिता जगदीश सियाग, निलेश कारा पिता अशोक कारा, राहुल उर्फ बबलू उर्फ बम बैरागी पिता हीरादास बैरागी, जफर उर्फ जफरु पिता हाफिज कुरैशी, अशोक नायक पिता मांगीलाल नायक, थाना पिपलोदा के देवेंद्र पिता लक्ष्मण सिंह, चंदन सिंह पिता भोपाल सिंह राजपूत, हेमराज पिता धन्नाजी खराड़ी, नारायण पिता रणछोड़, थाना नामली के लोकेंद्र सिंह पिता डूंगर सिंह सिसोदिया, श्रीपाल सिंह पिता रतन सिंह सिसोदिया, नरेंद्र सिंह उर्फ सोनू पिता सुरेंद्र सिंह सिसोदिया थाना औद्योगिक क्षेत्र जावरा के सरदार पिता रईस हम्माल, बंटी उर्फ महिपाल सिंह पिता रतन सिंह राजपूत, सोनू उर्फ सोहराब पिता रुस्तम खा मेव, थाना सैलाना के अभिषेक उर्फ बाबा पिता लक्ष्मण चौहान, संतोष पिता राजू चंदेल, विशाल पिता मोहनलाल त्रिवेदी, थाना ताल के कांतिलाल उर्फ कांतू पिता लक्ष्मण वर्मा, राजू उर्फ छर्रा उर्फ राजीव पिता कारूलाल धोबी, थाना आलोट के रामप्रसाद पिता भुवान, संजय उर्फ संजय पिता जगदीश जोशी, थाना बिलपांक के भेरू सिंह पिता बलवंत भाटी, थाना रावटी के मांगू उर्फ मांगीलाल पिता कम्माजी, थाना जावरा शहर के बाबर उर्फ भूरा पिता इरफान, थाना बरखेड़ा कला के श्रवण सिंह पिता कान सिंह शामिल हैइसके अलावा थाना दीनदयाल नगर रतलाम के प्रदीप पिता पूनमचंद्र नायक को 1 वर्ष के लिए तथा थाना औद्योगिक क्षेत्र रतलाम के पियूष उर्फ लवनीश पिता सुनील वर्मा को 3 माह के लिए जिला बदर। किया गया है।

तेहरान ने मार गिराए इजराइल के कई ड्रोन लेकिन अमेरिका ने खारिज किया दावा

इंटरनेशनल डेस्क- इजराइल द्वारा हुए हमले के बाद ईरान का बड़ा बयान सामने आया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यहूदी राज्य पर तेहरान के हमले के कुछ दिनों बाद, मध्य पूर्व में व्यापक संघर्ष की आशंकाओं के बीच इज़राइल ने शुक्रवार को ईरान पर मिसाइलों से हमला किया। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि इजरायली मिसाइलों ने ईरान में ड्रोन से एक साइट पर हमला किया है। हालांकि, अधिकारी ने इसकी पुष्टि नहीं की कि क्या हमलों का असर इराक और सीरिया पर भी पड़ा है। इसके अलावा यहूदी राज्य पर तेहरान के चौतरफा हमले के कुछ दिनों बाद मध्य पूर्व में संभावित व्यापक संघर्ष की आशंका बढ़ गई थी। हालांकि, तेहरान ने कहा कि वह ड्रोन हमले से प्रभावित नहीं हुआ है और उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने इजराइल के तीन ड्रोन नष्ट भी कर दिए हैं। वहीं अमेरिका ने ईरान के दावे को खारिज किया है। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका ने दावा किया है कि जहां पर निशाना लगाया गया था हमला वहां हुआ है। अब सवाल यह उठता है कि क्या ईरान अपने ऊपर हुए हमले को दुनिया के सामने नजरअंदाज कर रहा है या फिर इजराइल की कार्रवाई से

डरने लगा है।

मध्य ईरानी शहर इस्फ़हान के निकट एक हवाई अड्डे पर विस्फोटों की आवाज़ सुनी गई, लेकिन यह ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों की सक्रियता का परिणाम था। सोशल मीडिया पर वीडियो में मिसाइलों को सुबह के आकाश को रोशन करते हुए दिखाया गया है। इराक और दक्षिणी सीरिया में विस्फोटों की अपुष्ट खबरें सामने आई थीं। यह हमला 13 अप्रैल को ईरान द्वारा इज़राइल पर पहली बार सीधा हमला करने के कुछ दिनों बाद हुआ। तेहरान ने इज़राइल पर 300 से अधिक मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च किए। ईरानी हमले सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी दूतावास पर 1 अप्रैल को हुए इजरायली हमले के जवाब में थे।

-ईरान ने देश के कई प्रांतों में अपनी वायु रक्षा प्रणालियों को सक्रिय कर दिया है और इजराइल के हमले की रिपोर्ट के बाद वायु रक्षा बैटरियां निकाल दी हैं, राज्य संचालित आईआरएनए समाचार एजेंसी ने शुक्रवार सुबह इसकी रिपोर्ट दी। -ईरान के विशिष्ट सैन्य बल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने देश में अपने सभी ठिकानों और शिविरों पर अलर्ट की स्थिति घोषित कर दी है। -तनाव के बीच, तेहरान, इस्फ़हान और शिराज के लिए सभी उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई हैं, ईरान की जनसंपर्क कंपनी के निदेशक ने सरकारी मेहर टीवी को बताया। रिपोर्टों के अनुसार, दुबई स्थित वाहक एमिरेट्स और फ्लाईदुबई ने पश्चिमी ईरान के आसपास सुबह लगभग 4:30 बजे (स्थानीय समय) अपनी उड़ानें बदल दीं।

-इजराइल पर तेहरान के हमले के बाद अमेरिका और ब्रिटेन द्वारा ईरान पर नए प्रतिबंध लगाए जाने के कुछ ही घंटों बाद सरेल का हमला हुआ। ताज़ा प्रतिबंधों में 16 लोगों और दो ईरानी संस्थाओं को निशाना बनाया गया है, जो 13 अप्रैल को इज़राइल पर हुए हमले में इस्तेमाल किए गए ड्रोन को चलाने वाले इंजन का उत्पादन करते हैं। -एक बयान में, राष्ट्रपति जो बिडेन ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी वित्त मंत्रालय को ईरान के सैन्य उद्योगों को और कमजोर करने वाले प्रतिबंध लगाना जारी रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, ईरान के हमलों को सक्षम या समर्थन करने वाले सभी लोगों के लिए यह स्पष्ट हो जाए। हम आपको जवाबदेह ठहराने के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे। ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि ईरान पर प्रतिबंध इस क्षेत्र को अस्थिर करने की देश की क्षमता को और सीमित कर देगा।

केन्या में सैन्य हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, सेना प्रमुख समेत 9 लोगों की मौत; देश में तीन दिन का राजकीय शोक

इंटरनेशनल डेस्क: केन्या के सैन्य प्रमुख जनरल फ्रांसिस ओमोंडी ओगोला की देश के पश्चिम में एक सैन्य हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से मृत्यु हो गई है। राष्ट्रपति ने यह घोषणा की है। जनरल ओगोला ग्यारह अन्य सैन्य कर्मियों के साथ हेलीकॉप्टर में सवार थे। दुर्घटना में केवल दो लोग जीवित बचे है। बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि राष्ट्रपति विलियम रूटो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह देश के लिए ''बड़े दुख का क्षण है। उन्होंने इससे पहले उन्होंने सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई थी। रुटो ने बताया कि दुर्घटना स्थानीय समयानुसार 14:20 बजे हुई। राष्ट्रपति ने कहा कि केन्या वायु सेना ने दुर्घटना का कारणों का पता लगाने के लिए एक जांच दल भेजा है। हेलीकॉप्टर राजधानी नैरोबी से लगभग 400 किमी उत्तर-पश्चिम में एल्गेयो माराक्वेट काउंटी में गिरा। रुटो ने कहा, ''दुर्भाग्य से, विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बचाव और राहत टीमों को दुर्घटनास्थल पर भेजा गया है। वायु सेना के कमांडर और रक्षा बलों के उप प्रमुख के रूप में कार्य करने के बाद जनरल ओगोला को पिछले साल अप्रैल में रुटो द्वारा नियुक्त किया गया

था। रूटो ने केन्या के सर्वोच्च रैंकिंग सैन्य अधिकारी और राष्ट्रपति के मुख्य सैन्य सलाहकार जनरल ओगोला को एक बहादुर अधिकारी बताया और कहा कि उन्होंने अपनी ड्यूटी के दौरान प्राण न्योछावर कर दिए। रूटो ने राष्ट्र को बताया, ''हमारी मातृभूमि ने अपने सबसे बहादुर जनरलों, वीर अधिकारियों, सैन्य पुरुषों और महिलाओं में से एक को खो दिया है। देश में शुक्रवार 19 अप्रैल से शुरू होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। रुटो ने कहा कि केन्या गणराज्य और विदेशों में केन्याई मिशनों में झंडे आधे झुके रहेंगे। दुर्घटना में मारे गए नौ अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों में ब्रिगेडियर स्वाले सईदी, कर्नल डंकन केटनी, लेफ्टिनेंट कर्नल डेविड सावे, मेजर जॉर्ज बेन्सन मैगोंडु, कैप्टन सोरा मोहम्मद, कैप्टन हिलेरी लिटाली, सीनियर सार्जेंट जॉन किन्यूआ मुरेथी, सार्जेंट क्लिपहोंस ओमोंडी, और सार्जेंट रोज़ न्यावीरा शामिल है। जीवित बचे दो लोगों की भी हालत गंभीर है और उनका इलाज चल रहा है। इन अधिकारियों ने केन्या के दस्युता से ग्रस्त उत्तरी रिफ्ट क्षेत्र की यात्रा की थी और दस्यु हमलों के बाद बंद किए गए कुछ स्कूलों को फिर से खोलने के मिशन पर ये लोग वहां गये थे। उन्होंने क्षेत्र को स्थिरता बहाल करने के लिए तैनात सैन्य अधिकारियों से भी मुलाकात की थी।

अमेरिकी विशेषज्ञ एशले ने कहा- कांग्रेस से भाजपा प्रभुत्व वाली व्यवस्था की ओर बढ़ता दिख रहा भारत

वाशिंगटन- अमेरिका के प्रख्यात विशेषज्ञ एशले जे. टेलिस का कहना है कि ऐसा प्रतीत होता है कि भारत कांग्रेस के प्रभुत्व वाली व्यवस्था से भाजपा नियंत्रित व्यवस्था में परिवर्तित हो रहा है लेकिन यह देखना अभी बाकी है कि पार्टी दक्षिण भारत में अच्छा प्रदर्शन कर पाती है या नहीं। उन्होंने एक परिचर्चा में यह टिप्पणी की, जिसमें इस बात पर विचार मंथन हुआ कि क्या किसी एक इकाई का अत्यधिक शक्तिशाली होना लोकतंत्र के लिहाज से चिंता का विषय हो सकता है? विचारक संस्था 'कार्नेजी एन्डाउमेंट% में वरिष्ठ अध्येता टेलिस ने बुधवार को कहा कि भारत में आम चुनाव के नवीनतम 'ओपिनियन पोल% के रुझानों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाती दिख रही है। उन्होंने कहा कि यदि ओपिनियन पोल सही साबित होते हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी को अगले पांच वर्षों तक राजनीतिक प्रभाव रखने के लिए पर्याप्त बहुमत के साथ चुने जाने की संभावना है। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर एलिसा आयर्स और 'एशिया ग्रुप से जुड़े अशोक

मलिक ने भी ''मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारत विषय पर परिचर्चा में हिस्सा लिया। टेलिस ने कहा, ''सबसे लंबे समय तक भारत उस व्यवस्था के साथ बहुत सहज था जिसे 'कांग्रेस व्यवस्था कहा जाता था। कई दशकों तक राजनीति में कांग्रेस का दबदबा रहा। ऐसा प्रतीत होता है कि अब हम भाजपा के अधिपत्य वाली व्यवस्था में परिवर्तित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन अगर हम भाजपा के प्रभुत्व वाली व्यवस्था की ओर बढ़ने के कगार पर हैं, तो क्या हमारे पास भारतीय लोकतंत्र के स्वास्थ्य के बारे में चिंतित होने का कोई कारण है? मेरा मतलब यह नहीं है कि यह केवल अल्पसंख्यकों या अन्य के लिए चिंता का मुद्दा है। हालांकि वहां यह सामान्य तौर पर चर्चा का विषय रहा है। मलिक ने कहा कि एक भारतीय के रूप में वह यह स्वीकार करते हैं कि वह इस बात से निराश हैं कि भारत में कभी भी दो-दलीय स्थिर प्रणाली नहीं रही है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस हावी थी तो भाजपा सहित अन्य पार्टियां महत्वहीन थीं और 2014 के बाद से भाजपा का उभार हुआ और कांग्रेस आज कमजोर पड़ गई है। उन्होंने कहा, ''एक भारतीय नागरिक के रूप में भारतीय लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध व्यक्ति के लिए यह निराशाजनक बात है, चाहे मैं किसी भी पार्टी को वोट दूं। कोई भी नागरिक एक प्रतिस्पर्धा देखना पंसद करेगा। यह सरकारों को जिम्मेदार बनाता है।

दुबई में बारिश-तूफान से बिगड़े हालात, भारतीय दूतावास ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

दुबई: संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में आए तूफान व बारिश के बाद हालात बद से बदतर हो गए हैं। पूरे शहर में पानी भरने कारण यातायात ठप्प हो गया और लोग अपने घरों में फंस गए। दुबई से दिल्लीआने-जाने वाली कम से कम 19 उड़ानें रद्द करदी गई हैं। इस बीच, दुबई में भारत के वाणिज्य दूतावास ने दुबई और उत्तरी अमीरात में रहने वाले भारतीयों के लिए हेल्पलाइन नंबर और दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

भारतीय दूतावास द्वारा एडवाइजरी में अपने नागरिकों को बारिश-तूफान से बचने के लिए दिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं। ओमान में भी बाढ़ के चलते 20 लोगों की मौत हुई है। इससे पहले बुधवार को दुबई में खराब मौसम के कारण भारत आने वाली 28 उड़ाने को रद्द कर दिया गया था। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में इमरजेंसी लगानी पड़ी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में दुबई में करीब 15.2 सेमी बारिश हुई है। वहीं मंगलवार को यहां 10 इंच से ज्यादा बारिश हुई थी। बुधवार को दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आने-जाने वाली 300 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं थीं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने लोगों को वहां न आने की सलाह दी है। दूसरी तरफ, ओमान में बारिश की वजह से 1400 लोगों को शेल्टर में भेजा गया है। स्कूल और सरकारी ऑफिस को बंद कर दिया गया है। खाड़ी देशों में मौसम बदलने की बड़ी वजह दक्षिण-पश्चिम की

तरफ से लो-प्रेशर बनना है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएम) ने 2 दिन पहले ही ,श्व, सऊदी अरब में तेज बारिश की भविष्यवाणी की थी। मौसम विभाग ने इस दौरान 65 किमी प्रति घंटे की स्पीड से हवा चलने का भी अनुमान लगाया था। ,श्व के राष्ट्रीय मौसम केंद्र के एक्सपर्ट अहमद हबीब ने बताया कि दुबई, अबू धाबी और शारजाह में बारिश के साथ ओले भी गिर सकते हैं। उधर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और कई खाड़ी देशों में पिछले 4 दिनों से हो रही बारिश के कारण हालात खराब हो गए हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में बारिश की वजह आई बाढ़ में अब तक 135 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 70 लोग अफगानिस्तान में तो वहीं 65 ने पाकिस्तान में दम तोड़ दिया।पाकिस्तान डिजास्टर मैनेजमेंट अथोरिटी ने बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा के चित्राल, दार, स्वात, अबोटाबाद लोगों को घर से न निकलने की एडवाइजरी जारी की है। पाकिस्तान के मौसम विभाग ने 22 अप्रैल तक पूरे देश में भारी बारिश, ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है।

लोकसभा चुनाव के बीच चंद्रशेखर आजाद का प्रशासन पर आरोप कहा -अधिकारी नहीं डालने दे रहे वोट

नेशनल डेस्क- देश में पोलिंग स्टेशनों पर सुबह से मतदान शुरु हो चुका है। वोटिंग के पहले चरण में यूपी की 8 सीटों पर चुनाव करवाया जा रहा है। इसी बीच यूपी के बिजनौर जिले से नगीना सीट से आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी चंद्रशेखर आज़ाद ने प्रशासन पर आरोप लगाए हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि 10 से ज्यादा मशीनें खराब हैं। बूथ पर लगे सीसीटीवी भी सही तरीके से काम नहीं कर रहे। बीजेपी उम्मीदवार ओम कुमार के गांव में भी श्वङ्करू मशीन खराब हुई।

इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों पर वोट न डालने देने का आरोप लगाया है। मीडिया से बातचीत करते हुए चंद्रशेखर ने बताया कि 10 से ज़्यादा मशीनों के ख़राब होने की सूचना हैं। इससे लोगों को दिक्कत हो रही है। बीजेपी के लोकल नेता और पुलिस प्रशासन मिलकर गुंडागर्दी पर उतारू है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि सूचना प्राप्त हुई है कि सहारनपुर में आधार कार्ड और वोटर कार्ड होने बावजूद भी पुलिस लोगों को मतदान नहीं करने दे रही है। इस मामले में मीडिया से भी अपील है कि वे भी प्रशासन की गुंडागर्दी को दिखाए।

हमें एक-दूसरे पर नहीं, बल्कि सितारों पर रॉकेट भेजने चाहिए, जंग के बीच एलन मस्क ने दिया शांति संदेश

नेशनल डेस्क- ईरान में इज़रायली हमलों की रिपोर्ट के कुछ घंटों बाद, एलन मस्क ने शुक्रवार को अपने एक्स हैंडल के माध्यम से शांति का स्पष्ट आह्वान किया। मस्क ने एक पोस्ट में लिखा, हमें एक-दूसरे पर नहीं, बल्कि सितारों पर रॉकेट भेजने चाहिए। दुनिया के सबसे अमीर आदमी ने एक रॉकेट की तस्वीर भी शेयर की। मस्क की पोस्ट रूस और यूक्रेन और इज़राइल और हमास के बीच बढ़ते तनाव के बीच भी आई है। बता दें कि इजराइल ने गुरुवार देर रात ईरान पर हमला किया, क्योंकि ईरानी राज्य मीडिया ने शुक्रवार सुबह रिपोर्ट दी थी कि ईरान द्वारा इज़राइल पर जवाबी ड्रोन हमला शुरू करने के कुछ दिनों बाद उसकी सेना ने ड्रोन को नष्ट कर दिया था। एक सूत्र ने बताया कि अमेरिका इसमें शामिल नहीं था लेकिन हमले से पहले इज़राइल ने उसे सूचित किया था।

ईरान की फार्स समाचार एजेंसी ने बताया कि केंद्रीय शहर इस्फ़हान में एक सैन्य अड्डे के पास तीन विस्फोटों की आवाज़ सुनी गई। इस बीच, एक ईरानी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि कोई मिसाइल हमला नहीं हुआ था और विस्फोट ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों की सक्रियता का नतीजा थे।

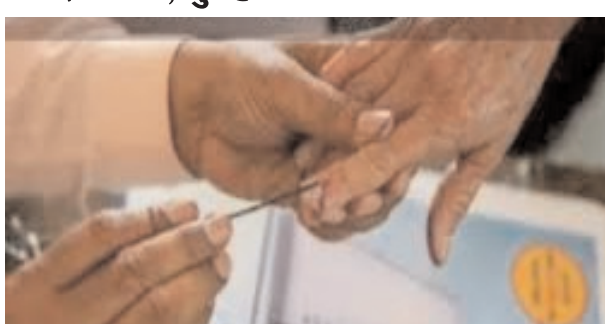

बिहार में पहले चरण की 4 लोकसभा सीटों पर मतदान जारी, सुबह 9 बजे तक 7.64 % वोटिंग

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में बिहार की चार सीटों के लिए मतदान सुबह 7 बजे से जारी है। मतदाताओं में मतदान के लिए भारी उत्साह नजर आ रहा है। राज्य की जिन सीटों पर मतदान हो रहा है, उनमें औरंगाबाद, गया, नवादा और जमुई शामिल हैं। इन सीटों पर मतदाता 38 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। चार लोकसभा सीटों पर चुनाव के लिए 7903 मतदान केंद्र पर 76,01,629 मतदाता वोटिंग करेंगे। इसमें 39,63,223 पुरुष, 36,38,151 महिला और 255 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इस चरण में 92602 मतदाता पहली बार वोट डालेंगे।

सुबह 9 बजे तक पश्चिम बंगाल में 15.09 प्रतिशत और मध्य प्रदेश में 15 प्रतिशत हुआ मतदान

नेशनल डेस्क- सुबह 9:30 बजे तक चल रहे लोकसभा चुनावों में भाग लेने वाले राज्यों में मतदान प्रतिशत अलग-अलग था, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्य मतदाता मतदान चार्ट में सबसे आगे थे। भारतीय चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में सुबह 9 बजे तक 15.09 फीसदी मतदान हुआ, जबकि मध्य प्रदेश में 15 फीसदी मतदान हुआ। पहले चरण के चुनाव में भाग लेने वाले राज्यों के लिए मतदान प्रतिशत हैं - अंडमान और निकोबार द्वीप समूह - 8.64 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश - 6.29 प्रतिशत, असम - 11.15 प्रतिशत, बिहार 9.23 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ 12.02 प्रतिशत, जम्मू और कश्मीर 10.43 प्रतिशत प्रतिशत, लक्षद्वीप 5.59 प्रतिशत, महाराष्ट्र 6.98 प्रतिशत है। मणिपुर 11.91 प्रतिशत, मेघालय 13.71 प्रतिशत, मिजोरम 11.22 प्रतिशत, नागालैंड 10.64 प्रतिशत, पुडुचेरी 10.11 प्रतिशत, राजस्थान 10.67 प्रतिशत, सिक्किम 7.92 प्रतिशत, तमिलनाडु 8.25 प्रतिशत, त्रिपुरा 15.21 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश 12.66 प्रतिशत प्रतिशत, उत्तराखंड में 10.54 प्रतिशत 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत 67 प्रतिशत से अधिक था। तमिलनाडु के मुख्य चुनाव अधिकारी सत्यब्रत साहू ने बताया कि राज्य में चुनाव सुचारू रूप से चल रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसी चार-पांच जगहें हैं जहां तकनीकी खराबी के कारण ईवीएम के कामकाज में देरी हुई लेकिन सभी को ठीक कर लिया गया। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के लिए मतदान शुक्रवार को 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 102 संसदीय क्षेत्रों में शुरू हो गया, क्योंकि सात चरणों का मेगा चुनावी अभ्यास सुबह 7:00 बजे शुरू हुआ। शाम 6:00 बजे तक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल 1.87 लाख मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं, जबकि 102 निर्वाचन क्षेत्रों में 18 लाख कर्मियों को तैनात किया गया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी अपने लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए प्रयास कर रहे हैं, जबकि विपक्षी गुट-इंडिया- आम चुनावों में भाजपा को टक्कर देने के लिए बना विरोधी दलों का गठबंधन, उन्हें सत्ता से बाहर करने पर नजर गड़ाए हुए है। दूसरा चरण 26 अप्रैल को होगा और बाकी चरण 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को होंगे। पिछला आम चुनाव 2019 भी सात चरणों में हुआ था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569